सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जिन्दगी का हर एक छोटा हिस्सा ही, हमारी जिदंगी की सफलता का बड़ा हिस्सा होता है !

वर्ष 01, अंक 14, नई दिल्ली

गुरुवार, 30 मार्च 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

इनसाइड

हमीरपुर में खुलेगा परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण, बिजली महादेव में रोपवे

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में बुधवार को राज्य सचिवालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। मंत्रिमंडल की बैठक में 44 वेटरनरी मोबाइल यूनिट शुरू करने को मंजूरी दी गई। हिमाचल प्रदेश कैबिनेट ने हमीरपुर में राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण और चिकित्सा सेवाएं निगम खोलने को मंजूरी दे दी है। राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण हमीरपुर में मुख्यालय खोलने के बारे में पिछले कई दिनों से विचार-विमर्श चल रहा था। कई अन्य स्थानों पर भी चर्चा हो रही थी, लेकिन आखिर इसे मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू के गृह जिले में ही इसे खोलने का फैसला लिया गया है। कैबिनेट बैठक मुख्यमंत्री सुक्खू की अध्यक्षता में बुधवार को राज्य सचिवालय में हुई। न्यायाधिकरण खुलने से प्रदेश में परिवहन से संबंधित मुद्दों की सुनवाई हो सकेगी। मसलन जैसे हाल ही में सीमेंट कंपनियों की तालाबंदी के बाद इस तरह की मांग उठी थी। चिकित्सा सेवाएं निगम खोलने की घोषणा मुख्यमंत्री सुक्खू के बजट में शामिल थी जिसे स्वीकृति दे दी गई। कैबिनेट की बैठक में हिमाचल बल्क ड्रग आधारभूत ढांचा सीमित नाम से एक क्रियान्वयन एजेंसी बनाने का निर्णय लिया गया। यह एजेंसी इस पार्क को स्थापित करने की प्रक्रिया में तेजी लाएगी, संबंधित समस्याओं का निराकरण करेगी और उचित मंच पर संबंधित विषयों को रखेगी। कैबिनेट की बैठक में 44 वेटरनेरी मोबाइल यूनिट शुरू करने को भी मंजूरी दी गई। ये गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों के मवेशियों को चिकित्सा सुविधा देंगी।

कितनी सुरक्षित है दिल्ली मेट्रो? सर्वेक्षण में भाग लेकर यात्रियों से मांगी राय; गुणवत्ता में सुधार के लिए पहल

सर्वेक्षण हेतु डीएमआरसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आनलाइन सर्व के लिंक पर क्लिक करना होगा।

संजय बाटला

मेट्रो ट्रेन की उपलब्धता यात्रियों की सुरक्षा सहित अन्य सुविधाओं को लेकर यात्री कितने संतुष्ट है इसे लेकर वैश्विक संस्था द्वारा आनलाइन सर्वे कराया जा रहा है। दिल्ली मेट्रो के यात्री भी इस आनलाइन सर्वे में भाग ले सकते हैं।

सर्वे में यात्री मेट्रो की उपलब्धता, विश्वसनीयता, सेवा की गुणवत्ता, उपभोक्ता देखभाल, सुरक्षा, उपयोग में सुगमता, यात्रा को लेकर जरूरी सूचना, आरामदायक यात्रा व भीड़ को लेकर अपनी राय रखेंगे।

नई दिल्ली। ट्रेमेट्रो न की उपलब्धता, यात्रियों की सुरक्षा सहित अन्य सुविधाओं को लेकर यात्री कितने संतुष्ट है इसे लेकर वैश्विक संस्था द्वारा आनलाइन सर्वे कराया जा रहा है। दिल्ली मेट्रो के यात्री भी इस आनलाइन सर्वे में भाग ले सकते हैं। इस सर्वे का उद्देश्य मेट्रो संचालन और यात्री सुविधा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लोगों से सुझाव लेना है।

ये संस्था करा रही सर्वेक्षण

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सीओएमटी (कम्युनिटी आफ मेट्रो) समूह का प्रबंधन करने वाली संस्था ट्रांसपोर्ट स्ट्रेटजी सेंटर (टीएससी) द्वारा 27 मार्च से 30अप्रैल तक आनलाइन उपभोक्ता संरक्षण सर्वेक्षण का दसवां संस्करण शुरू किया गया है। इसमें भाग लेकर यात्री मेट्रो सेवा में सुधार को लेकर सुझाव दे सकते हैं। सर्वेक्षण में शामिल होने के लिए डीएमआरसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आनलाइन सर्वे के लिंक पर क्लिक करना होगा। अंग्रेजी व हिंदी दोनों भाषाओं में लोग अपनी राय रख सकते हैं। सर्वे में यात्री मेट्रो की उपलब्धता, विश्वसनीयता, सेवा की गुणवत्ता, उपभोक्ता देखभाल, सुरक्षा, उपयोग में सुगमता, यात्रा को लेकर जरूरी सूचना, आरामदायक यात्रा व भीड़ को लेकर अपनी राय रखेंगे। पूरे विश्व के मेट्रो सेवा को लेकर हो रहे इस सर्वे से यह जानने की कोशिश होगी कि यात्री उपलब्ध सेवाओं से कितने संतुष्ट हैं।

चंडीगढ या चालान गढ, आबादी 12 लाख, ट्रेफिक चालान 6 लाख

एसठी सेठी, नई दिल्ली। देश में ट्रेफिक चालान में नंबर एक का तमगा पाने वाला शहर चंडीगढ हिटलिस्ट में शामिल हो गया है। यहां की कुल आबादी करीब 12लाख है। वहीं ट्रैफिक रूल तोडने वालों की आबादी साल, 2022 में इसकी 50 फीसदी जनसंख्या अपना किसी न किसी ट्रेफिक रूल के उलंघन में शुमार रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक साल 2022 में चंडीगढ ट्रेफिक पुलिस द्वारा 1.80 लाख चालान ओवर स्पीड में गाडी चलाने वालों के काटे गए हैं। वहीं रेड लाइट जंप करने वालों की संख्या भी कुछ कम नहीं है। मौत से बेखौफ रेड लाइट जंप करने वाले लोगों का आंकडा 1.75 लाख है।जेब्रा क्रासिंग करने वाले वाहनों की संख्या 75000, और तो और 100000 लाख लोग गाडी चलाते हुए मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए कैमरे ने पकडे गए और चालान का भुगतान किया। इसके अलावा करीब 80,000 वाहन चालकों के ट्रेफिक पुलिस द्वारा ओन लाइन चालान काटे गए। इनमें बिना हेलमेट के और दो से ज्यादा सवारी को ढोने वाले दुपियाओ की संख्या भी काफी है। बाकी के बचे तमाम चालान ट्रैफिक पुलिस ने ओन दी स्पोट सडक पर ही काटे हैं। इस हिसाब से देखा जाए तो हर सेकण्ड पर चालान का रिकार्ड चंडीगढ शहर को जाता है। इन चालानों को .मद्देनज़र रखते हुए तो यही कहना चाहिये कि चंडीगढ शहर का नाम बदलकर चालान गढ रख देना चाहिए।

राम नवमी से आयोध्या के दर्शन चौपर द्वारा 3000 में

एस.डी. सेठी, नई दिल्ली। गुरूवार राम नवमी पर यूपी टूरिज्म ने श्रद्धालुओं को भगवान राम के जन्मस्थान अयोध्या के हवाई दर्शन का मौका दिया है। चैत्र नवरात्रि के दिन राम नवमी का त्यौहार मनाया जाता है।मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भगवान राम का जन्म हुआ था। इस साल रामनवमी का त्यौहार 30 मार्च को मनाया जाएगा।राम नवमी के मौके पर यूपी टूरिज्म डिपार्टमेंट द्वारा श्रद्धालुओ को महज 3000 रूपये में हेलीकॉप्टर के जरिए आयोध्या के दर्शन कराए जाएगें। यूपी टूरिज्म ने खुद सोशल मीडिया पर ट्वीट कर जानकारी दी है। ट्वीट में लिखा है कि उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड और हेरिटेज एविएशन द्वारा मात्र 3000 रूपये प्रति व्यक्ति के शुल्क पर आयोध्या के हवाई दर्शन कर एक नवीन अनुभव प्राप्त करे। श्रद्धालू 28 मार्च 2023 से रोजाना सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक हेलीकाप्टर से अयोध्या के दर्शन कर सकेगें। सरयू अतिथि गृह। काउंटर से टिकट की बुकिंग कर सकते हैं। हवाई दर्शन का स्थान सरयू अतिथि गृह , अयोध्या है।

खुशखबरी: एक अप्रैल से रोडवेज बसों में बुजुर्गों का आधा किराया माफ, ऑनलाइन करना होगा आवेदन

अधिसूचना के अनुसार, रोडवेज बसों में रियायती दरों पर यात्रा का लाभ केवल हरियाणा के लोगों को मिलेगा। हरियाणा से बाहर जाने वाली रोडवेज बसों में भी रियायती दरों पर यात्रा की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा का निवास प्रमाण पत्र अनिवार्य है।

चंडीगढ़। हरियाणा रोडवेज की बसों में 1 अप्रैल से 60 साल की उम्र के बुजुर्गों का आधा किराया माफ होगा। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा को अमलीजामा पहनाते हुए परिवहन विभाग के प्रधान सचिव नवदीप विर्क ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। प्रदेश में 60 साल की महिलाओं को पहले से ही यह सुविधा मिल रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बजट भाषण में इस सेवा के लिए पुरुषों की आयु सीमा 65 वर्ष से घटाकर 60 वर्ष करने की घोषणा की थी। अधिसूचना के अनुसार, रोडवेज बसों में रियायती दरों पर यात्रा का लाभ केवल हरियाणा के लोगों को मिलेगा। हरियाणा से बाहर जाने वाली रोडवेज बसों में भी रियायती दरों पर यात्रा की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए हरियाणा का निवास प्रमाण पत्र अनिवार्य है। हालांकि, 60 से 65 वर्ष आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों को इस रियायत का लाभ उठाने के लिए संबंधित पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) डेटाबेस से सत्यापन के बाद ही आवेदन स्वीकार किया जाएगा। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित रोडवेज महाप्रबंधक पात्र वरिष्ठ नागरिकों को रियायती वरिष्ठ नागरिक बस पास जारी करेंगे। वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा के दौरान यह बस पास अपने पास रखना होगा।

जीपीएस ट्रैकर तोड इलैक्ट्रानिक जैमर गाडी चोर गैंग पुलिस के हत्थे चढ़ा

एस.ठी सेठी

नई दिल्ली। गाडी चोरो ने अब जीपीएस ट्रैकर का भी तोड निकाल लिया है। दिल्ली शहर में गाडी चोर अब इलैक्ट्रानिक जैमर का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन जैमर के जरिये कार/गाडी में लगा जीपीएस अलर्ट बेअसर हो जाता है। जिससे वह वाहन मालिक को अलर्ट नहीं भेज पाता। जीपीएस सिस्टम बेअसर होने के चलते चोरी हुई कारों की लोकेशन भी पता नहीं चल पाती है।

पुलिस के मुताबिक, उसे हाल ही में चोरो की इस नई तकनीकी के बारे में पता चला है। इसी सिलसिले में पुलिस ने कार चोरी के एक बडे गिरोह को पकडने का दावा किया है। ये गैंग दिल्ली में कारों की चोरी धडुले से कर रहे थे। चोरी की गाडियों को वह अरूणाचल प्रदेश, नागालैंड, और पूर्वी चंपारण जैसे क्षेत्रों में भेज रहे थे। इस बावत डीसीपी (द्वारका) एम हर्ष वर्धन ने गिरोह के चार लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टी की है। बाकी गिरोह के लोगो को पकडने की दबिश दी जा रही है। डीसीपी हर्ष वर्धन ने.बताया कि चोरी की 12 कारें एक इलैक्ट्रानिक जैमर, कारों के

विभिन्न माडलों की 345 चाबियां, एक चाबी बनाने वाली मशीन, और लाखों रूपये की 2 प्रोग्रामिंग मशीने बरामद की है। वहीं चोरों से 3 पिस्तौल, 14 कारतूस और 3 वॉकी टॉकी भी बरामद किए हैं। जिसका इस्तेमाल गिरोह के सदस्य आपस में बातचीत करने के लिए करते थे।

डीसीपी के मुताबिक , एसीपी,राम अवतार, इंस्पेक्टर कमलेश समेत अन्य आटो चोरी रोधी दस्ते ने गिरोह का भंडाफोड किया । टीम ने द्वारका और उसके आस-पास हाल में कार चोरी की बढती वारदात की घटनाओ से संबंधित सुराग इकठ्ठा करने और सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करने के साथ आपरेशन धरपकड शुरू किया। इस सबंध में खुफिया और सूचना इकठ्ठी करने के लिए स्थानीय मुखबिरी को भी लगाया गया था। पुलिस के बिछाये जाल में सबसे पहले द्वारका सेक्टर 26 के सुनील और उसके सहयोगी मंजीत नाम के संदिग्ध को पकडा। बाद में उनके ठिकानों से चोरी की 6 कारों के साथ-साथ ढेर सारे इलैक्ट्रानिक उपकरण बरामद किए। पकडे गए दोनों द्वारा दी जानकारी के आधार पर पुलिस ने बिहार के चंपारण मे छापा मारा और अमजद खान नाम के रिसीवर को गिरफ्तार कर लिया। खान पुलिस को अरूणाचल प्रदेश में अपने सहयोगी नकुल बिसई तक ले गया। ये शख्स ट्रैवल एजेंसी चलाता था।

वह चोरी की कारों को बाकायदा टैक्सियों के रूप में इस्तेमाल करता था। इन सभी कारो में एंटी जीपीएस जैमर का इस्तेमाल किया गया और अरूणाचल प्रदेश तक आसानी से पहुंचा दिया। अरूणाचल पहुंचते ही ,और टैक्सी तैनाती से पहले इंजीनीयरों द्वारा जीपीएस को हटा दिया जाता था। इन्ही से पूछताछ में दोनों इंजीनीयरों ने खुलासा किया कि ऐसे जैमर कई अन्य गिरोहों द्वारा भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

यहां ये बता दें कि गाडी मालिकों द्वारा बढते जीपीएस के इस्तेमाल से कार चोरों की मुश्किलें बढ गई, तो उन्होने इसकी काट निकाली। और जैमर का इस्तेमाल करने लगे। पुलिस के मुताबिक कार चोरों ने बताया कि जैमर करीब 1 लाख रूपये के आ जाते हैं।और प्रोग्रामिंग मशीन 1.8 लाख रूपये की आती है। वहीं चाबी बनाने वाली मशीन करीब 1.6 लाख रुपये की एक आती है।

आईआईआईटी ने बस यात्रा के लिए एप में ट्रैवल प्लानर का विकल्प पेश किया है।

नहीं करना होगा इंतजार: एप बताएगा कितनी देर में पहुंचेगी बस-मेट्रो, रास्ता, दूरी और परिवहन विकल्प भी सुझाएगा

परिवहन विशेष संवाददाता

आईआईआईटी ने बस यात्रा के लिए एप में ट्रैवल प्लानर का विकल्प पेश किया है। इसपर यात्रियों को घर या दफ्तर से बस स्टॉप की दूरी, बस के पहुंचने का वक्त के साथ साथ मेट्रो का भी ब्यौरा शामिल किया जा रहा है।

दिल्ली। बस हो या मेट्रो अब एक ही एप से दोनों की जानकारी मिलेगी। घर या दफ्तर से स्टॉप या मेट्रो स्टेशन की दूरी, पहुंचने का समय और रास्ते में तमाम परिवहन विकल्पों का इस्तेमाल कैसे करें, एप बताएगा। इससे यात्रियों के लिए दोनों परिवहन विकल्पों की सटीक जानकारी मिल सकेगी। इससे यात्रा में त्वरित और सुलभ होंगी।

आईआईआईटी ने इसके लिए एप विकसित किया है, जिसे एक दो दिन में लांच कर दिया जाएगा।

आईआईआईटी ने बस यात्रा के लिए एप में ट्रैवल प्लानर का विकल्प पेश किया है। इसपर यात्रियों को घर या दफ्तर से बस स्टॉप की दूरी, बस के पहुंचने का वक्त के साथ साथ मेट्रो का भी ब्यौरा शामिल किया जा रहा है। इसमें सभी लाइन पर चलने वाली मेट्रो के आवागमन के समय की सटीक जानकारी मिल जाएगी। मसलन, अगर

आपके घर से किसी मेट्रो स्टेशन की दूरी एक किलोमीटर है। एप बताएगा कि ई रिक्शा, ऑटो या बस से आप कितनी देर में पहुंचेंगे।

इतना ही नहीं, आपको स्टेशन पहुंचने से पहले यह जानकारी मिल जाएगी गंतव्य तक जाने के लिए मेट्रो कितनी देर बाद पहुंचेगी। इससे सहूलियत होगी कि आप अपनी सुविधा के अनुसार गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। ना भागदौड़ करना होगा, अगर चंद सेकेंड बाद मेट्रो रवाना होने वाली हैं तो जल्दबाजी में होने वाली गलतियां भी नहीं होंगी।

आईआईआईटी के प्रो. प्रवेश बियानी के मुताबिक ट्रैवल प्लानर को यात्रियों की सुविधा के लिए तैयार किया गया है। इससे गंतव्य तक पहुंचने के लिए बस, मेट्रो के समय की जानकारी के साथ ही वहां तक जाने के लिए लास्ट माइल कनेक्टिविटी के साधनों का भी ब्यौरा होगा। इससे यात्रा में समय की बचत होगी और आपको सुरक्षित सफर का मौका मिलेगा।

अगले चरण में दूसरे परिवहन विकल्पों के बारे में भी जानकारियां एकीकृत की जा रही हैं। इससे यात्रियों को एक ही एप से पूरे यात्रा के दौरान परिवहन साधनों के इस्तेमाल के लिए अहम जानकारियां मुहैया की जाएंगी।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

21 साल के बाद हर महिला जरूर कराएं ये टेस्ट, कैंसर से बचने की होगी गारंटी,अन्य बीमारियों का पता भी

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है.

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2020 में एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर के कारण हुई है. हर 6 में से एक मौत कैंसर से होती है. इनमें से सबसे ज्यादा संख्या ब्रेस्ट कैंसर से होने वाली मौतों की है. इसके बाद महिलाओं में सबसे ज्यादा मौत सर्वाइकल कैंसर या गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से होती है.

डब्ल्यूएचओ के ही आंकड़ों के मुताबिक सर्विकल कैंसर से हर साल 5.30 लाख महिलाओं की मौत होती है. सर्वाइकल कैंसर की सबसे बड़ी वजह एचपीवी वायरस है. चिंता की बात यह है कि यह वायरस कई वर्षों तक महिलाओं के प्रजनन अंगों में निष्क्रिय रहकर फिर से सक्रिय हो सकता है. यही कारण है कि डॉक्टर 21 साल की उम्र से अधिक की सभी महिलाओं को नियमित रूप से पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते है.

पैप स्मीयर टेस्ट या पैट टेस्ट महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए किया जाता है. इस टेस्ट के लिए महिलाओं की सर्विक्स से कोशिकाओं से सैंपल निकाला जाता है और इसका विश्लेषण किया जाता है. इससे महिलाओं के प्रजनन अंगों में अन्य चीजों के बारे में पता लगाया जा सकता है.

क्यों करानी जरूरी है सर्वाइकल कैंसर की जांच

मायो क्लिनिक के मुताबिक महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर बहुत ही गंभीर बीमारी है जिसमें अधिकांश मरीजों की मौत हो जाती है. सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के प्रजनन अंगों यानी गर्भाशय के मुंह पर होता है. सर्वाइकल कैंसर की मुख्य वजह ह्यूमन पेपिलोमावायरस (human papillomavirus) है. यह वायरस फिजिकल रिलेशन बनाने वाली हर महिला में होता है. आमतौर पर इम्यून सिस्टम इस वायरस को खत्म कर देता है या रहता भी है तो कोई नुकसान नहीं पहुंचाता. लेकिन किसी-किसी महिलाओं में यह वायरस गर्भाशय ग्रीवा के पास लंबे समय तक निष्क्रिय हो जाता है और वर्षों बाद कभी भी सक्रिय हो जाता है. पैप स्मीयर टेस्ट से यह पता लगाया जाता है कि यह वायरस भविष्य में कैंसर तो नहीं दे सकता. अगर वायरस में कैंसर फैलाने की क्षमता होती है तो इसे हटाकर महिलाओं को मौत के मुंह से बचाया जा सकता है.

किसे कराना चाहिए यह टेस्ट

आमतौर पर डॉक्टर 21 से 65 साल के बीच हर महिलाओं को पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. हालांकि यह डॉक्टर बताते हैं कि पैप स्मीयर टेस्ट कराने का समय क्या है. आमतौर पर प्रति तीन साल में एक बार यह टेस्ट कराने के लिए कहा जाता है. 30 साल से उपर की महिलाओं को एचपीवी टेस्ट के साथ प्रति पांच साल में एक बार यह टेस्ट जरूर कराना चाहिए. लेकिन अगर महिलाओं में गर्भाशय से संबंधित जटिलताएं हैं तो डॉक्टर जल्दी-जल्दी भी यह टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. अगर इम्यून सिस्टम कमजोर है, एचआईवी है, स्मोकिंग करती हैं, स्टेरॉयड का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसी महिलाओं को जल्दी-जल्दी जांच की जरूरत पड़ती है.

जांच में क्या होता है

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. इस प्रक्रिया के दौरान डॉक्टर संभावित प्रीकैंसर कोशिकाओं को काटकर हटा भी देती हैं. इस टेस्ट से गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं में किसी असामान्य बदलावों का पता लगाना होता है ताकि यह पता लगाया जा सके भविष्य में सर्विक्स में कैंसर होने का खतरा तो नहीं है. चूंकि सर्वाइकल कैंसर के लक्षण सालों तक बाहर नहीं दिखते।

इसलिए इस टेस्ट को नियमित रूप से कराने की जरूरत पड़ती. इससे लाखों महिलाओं की जान बचाई जा सकती है. हालांकि सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन आ गई और सरकार टीनएज में ही इस वैक्सीन को देने की योजना बना रही है.

महिला हक-कर्त्तव्यों की बात साथ-साथ हो

अभी हाल ही में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बड़ी-बड़ी संगोष्ठियां और भव्य आयोजन किए गए और इन नवरात्रों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जा रही है, लेकिन ये आयोजन क्या सिर्फ एक दिन और कुछ विशेष दिनों के ही मोहताज हैं?

कुछ प्रतिशत लड़कियां जिन्हें दूसरों के लिए आदर्श प्रस्तुत करना था और समाज में उनके सम्मान के लिए लड़ाई लडऩी चाहिए थी, वे स्वयं ही गुमनाम जिंदगी जीना पसंद कर रही हैं। इसके साथ-साथ समाज की और कई रुकावटें जैसे हिंसा, असमानता और असुरक्षा और तेजी से फैल रही हैं। इसलिए महिला को आज स्वयं अपनी मजबूती के लिए खड़े होना होगा। अपना स्वरूप, सत्कार और स्वाभिमान आज स्वयं हमारे हाथ में है। ऐसा न हो कि बंद खिड़कियों से आ रही मद्दम रोशनी पर भी जालियां लगा दी जाएं और हमारी प्रतिमूर्ति नवरात्रों में सिर्फ पूजन के लिए प्रयोग की जाए। यह पूजन अधिकार व कत्र्तव्यों से स्वीकारना होगा'

अभी हाल ही में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बड़ी-बड़ी संगोष्ठियां और भव्य आयोजन किए गए और इन नवरात्रों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जा रही है, लेकिन ये आयोजन क्या सिर्फ एक दिन और कुछ विशेष दिनों के ही मोहताज हैं?

एक महिला होने के नाते मुझे लगता है कि काश हर दिन महिला व पुरुष की समानता के रूप में मनाया जाता। समाज की मूल समस्या ही यही है कि किसी वर्ग विशेष को एक दिन में समेटकर पूजनीय बना दिया जाए और शेष दिन उन्हें स्वयं अपने अस्तित्व व सम्मान के लिए समाज से ही लडऩा पड़ता है। जब भी कोई महिला हिम्मत कर दबी जुबान से अपने खिलाफ हुई हिंसा की बात करती है तो उसी के चरित्र पर सवालिया निशान लगा दिया जाता है। अभी हाल ही में दक्षिण भारत की जानी-मानी अभिनेत्री खुशबू सुंदर ने कहा कि जब वह 8 वर्ष की थी तब पिता ने यौन शोषण करना शुरू किया था। मुझे इस बारे में बात करने में कई साल लग गए। शायद आज

> एक शिक्षिका होने के नाते मैं हर रोज़ कई बच्चियों से मिलती हूं और एक बच्ची की मानसिकता की व्यथा, अपने आप में एक पाठशाला है। विशेषकर ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली बच्चियों के लिए कक्षा तक पहुंचने की जद्दोजहद और उसके पीछे का संघर्ष समाज की संकुचित मानसिकता को दर्शाता है। यहां तक कि उनकी यात्रा में कई सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पाबंदियां उन्हें मानसिक तौर पर शोषित कर चुकी होती हैं।

वो समाज में इस स्थिति में है कि अपनी बात बिना किसी संकोच के सबके सामने रख सकती है। लेकिन न जाने कितनी बच्चियां हमारे आसपास, कितनी तरह की ज्यादतियों का शिकार हो रही हैं। उन बच्चियों की आवाज या तो दबा दी जाती है और कुछ की तो स्वयं ही खामोश हो जाती है।

एक शिक्षिका होने के नाते मैं हर रोज़ कई बच्चियों से मिलती हूं और एक बच्ची की मानसिकता की व्यथा, अपने आप में एक पाठशाला है। विशेषकर ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली बच्चियों के लिए कक्षा तक पहुंचने की जद्दोजहद और उसके पीछे का संघर्ष समाज की संकुचित मानसिकता को दर्शाता है। यहां तक कि उनकी यात्रा में कई सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पाबंदियां उन्हें मानसिक तौर पर शोषित कर चुकी होती हैं। इस मानसिक शोषण से बाहर निकल कर जब कुछ शिक्षित महिलाएं किसी भी व्यवसाय की तरफ अग्रसर होती हैं तो समाज फिर उनके आचरण से उसके चरित्र का प्रमाण पत्र देना शुरू कर देता है। इस संदर्भ में कृपया करके लिंग आधारित संकुचित सोच से बाहर निकलिए। आधी आबादी को सीमाओं में न बांधकर उनकी प्रगतिशील उड़ान में सहायक बनिए।

एक अन्य पहलू यह भी है कि परिवार का पढऩे वाली लड़कियों के प्रति और कामकाज़ी महिला के प्रति असुरक्षा की भावना का डर भी उन्हें सताता है। न जाने कितनी बच्चियों व महिलाओं के साथ रेप जैसी घिनौनी वारदात, उन्हें फिर बंद कमरे में रहने पर मजबूर कर देती है। मेरी कई छात्राओं के माता-पिता जब मुझसे अपनी बच्चियों की सुरक्षा के बारे में बात करते हैं तो मेरे पास भी आश्वासन के अलावा और कोई जवाब नहीं होता। क्या सरकार के कड़े कानून इस हिंसा को रोक सकते हैं? शायद नहीं । समाज को ही अपना नज़रिया बदल कर महिलाओं को उनकी सुरक्षा की गारंटी देनी होगी। इस गारंटी के लिए व्यक्तिगत विचार रखने वाले पुरुष, सामूहिक तौर पर उनकी सुरक्षा के लिए आवाज़ उठाएं तो कुछ बात बन सकती है। ये आवाज सिर्फ घिनौनी वारदात होने के बाद तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जब निर्णय लेने के पदों व पक्षों की बात आती है तब निम्न स्तर तक महिलाओं की स्थिति में कुछ सकारात्मकता है। लेकिन उच्च स्तर तक उनकी स्थिति में समाज के अन्य पक्षों द्वारा स्वयं ही प्रश्न चिन्ह लगा दिए जाते हैं । जब तक समानता के आधार पर अवसर नहीं मिलेंगे तब तक लिंग के आधार पर योग्यता देखना सरासर सही बात नहीं है। मेरी एक सहेली को सिर्फ इस बात से एक फर्म के उच्च पद से हटा दिया गया क्योंकि उसे शाम होते ही अपने परिवार की जिम्मेवारियों के लिए समय निकालना था। वो रात को नौ या दस बजे तक सिर्फ फर्म को समय नहीं दे सकती थी। इसी सामंजस्य के बीच उसकी योग्यता व दक्षता की अवहेलना कर दी गई। लेकिन सही मायने में आज प्रगतिशील समाज को आयना देखना है तो हमें पुरुष व महिला की कार्यस्थिति को बराबर बांटना होगा।

इस विषय के बहुत से आयाम हैं, लेकिन आज की युवा लडक़ी अपने सपनों के लिए तेजी से भाग रही है, कभी-कभी पटरी से उतर कर, उस दिशा में चलने लग गई है जहां काले अंधेरे के अलावा कुछ भी नहीं है। यही कारण है कि श्रद्धा जैसी कई युवा प्रगतिशील लड़कियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। इन उड़ती हुई चिडिया को यह नहीं भूलना चाहिए कि उनकी इन गलतियों से लाखों लड़कियों जिन्होंने अभी उडना भी नहीं सीखा, उनके पंख पहली ही काट दिए जाते हैं। आज बात यह है कि खुलेपन ने महिलाओं के लिए स्वयं ही एक समस्या पैदा कर दी है। कुछ प्रतिशत लड़कियां जिन्हें दूसरों के लिए आदर्श प्रस्तुत करना था और समाज में उनके सम्मान के लिए लड़ाई लडऩी चाहिए थी, वे स्वयं ही गुमनाम जिंदगी जीना पसंद कर रही हैं। इसके साथ-साथ समाज की और कई रुकावटें जैसे हिंसा, असमानता और असुरक्षा और तेजी से फैल रही हैं। इसलिए महिला को आज स्वयं अपनी मजबूती के लिए खड़े होना होगा। अपना स्वरूप, सत्कार और स्वाभिमान आज स्वयं हमारे हाथ में है। ऐसा न हो कि बंद खिड़कियों से आ रही मद्दम रोशनी पर भी जालियां लगा दी जाएं और हमारी प्रतिमूर्ति नवरात्रों में सिर्फ पूजन के लिए प्रयोग की जाए। यह पूजन पूरे अधिकार व कत्र्तव्यों से स्वीकार करना होगा।

डा. निधि शर्मा

6 बदलाव, जो 40 की उम्र के बाद हर महिला झेलती है ! नॉर्मल हैं ये मेंटल और फिजिकल चेंज

उम्र बढ़ने के साथ ही महिलाओं के मानसिक और शारीरिक सेहत में कई बदलाव तेजी से देखने को मिलते हैं. ये बदलाव कई बार फ्रस्टेटिंग होते हैं तो कई बार दैनिक जीवन को भी प्रभावित करते हैं. यहां हम आपको बताते हैं कि 40 की उम्र के बाद किस तरह के बदलाव महिलाएं महसूस करती हैं.

उम्र बढ़ना एक नेचुरल प्रोसेस है. लेकिन जब महिलाएं 40 की उम्र में प्रवेश करती हैं तो उनके शारीरिक और मानसिक सेहत में कुछ ऐसे बदलाव आने शुरू होते हैं जिसे वह आसानी से महसूस कर पाती है और लगभग हर महिला ऐसी समस्याओं से जूझती है. कुछ महिलाएं ऐसे बदलाव से इरिटेट होने लगती हैं और कुछ निराश हताश. यह वह समय होता है जब मेनोपॉज की तरफ आप बढ़ना शुरू करती हैं. इस समय महिलाएं शारीरिक और मानसिक बदलावों की वजह से निराश और कई बार अनकंफर्टेबल भी महसूस करती हैं. लेकिन आपको बता दें इनका समाधान संभव है.

प्रिवेंट वेबसाइट में इन विषयों की एक्सपर्ट पीएचडी, लॉरा बरमन का कहना है कि महिलाएं ऐसे हालातों को चुपचाप सहती हैं जबकि उन हें अपने डॉक टर से इस विषय पर सलाह लेने की जरूरत होती है. यहां हम आपको बताते हैं कि 40 की उम्र के बाद किस तरह के बदलावों से महिलाएं गुजरती हैं.

ब्रेन फॉगिंग

अगर आप चीजों को रखकर भूल जा रही हैं या आप छोटी-छोटी बातों को याद नहीं रख पा रहीं तो ये ब्रेन फॉगिंग का लक्षण हो सकता है. ऐसी समस्याओं से बचने के लिए आप अपने डॉक टर से संपर्क करें और सही सलाह लें.

ब लडर लीक होना

अगर आप महसूस करती हैं कि छींकने या खांसने आदि से ब लडर से कंट्रोल छूट रहा है और लीक हो रहा है तो यह समस्या भी आपके लिए मुसीबत बन सकती है. 40 प्रतिशत महिलाएं 40 की उम्र के बाद ऐसी समस्याओं से जूझती हैं.

बालों का झड़ना

बालों के झड़ने की समस्या भी ज़ यादातर महिलाएं 40 की उम्र के बाद महसूस करती हैं. यह हार्मोनल बदलाव की वजह से हो सकता है. अगर आपके बाद काफी झड़ रहे हैं तो आप डर्मोटोलोजिस्ट से संपर्क करें.

फेशियल हेयर का बढ़ना

उम्र बढ़ने पर महिला के शरीर में एस्ट्रोजन लेवल कम होता है और टेस्टोस्टेरोन लेवल बढ़ जाता है. इसकी वजह से चेहरे, ठोरी, उंगलियों आदि पर बाल नजर आने लगते हैं.

सफेद बाल होना

उम्र बढ़ने के साथ ही सिर के बाल ग्रे नजर आने लगते हैं. यही नहीं, शरीर के अन्य हिस्सों पर मौजूद बालों में भी सफेद बाल नजर आने लगते हैं. इसकी वजह से कई महिलाएं शर्म महसूस करने लगती हैं. जबकि यह बॉडी को बिलकुल नॉर्मल प्रोसेस है.

हॉट फ्लश अनुभव करना

80 प्रतिशत महिलाएं मेनोपॉज के वक्त हॉट फ्लश अनुभव करती हैं. यह सिलसिला 7 से 10 साल तक चल सकता है. हालांकि यह समस्या ब्लड क्लॉट, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण भी हो सकते हैं.

गर्मियों में चाहिए कंफर्टेबल और स्टाइलिश लुक, 6 ट्रेंडिंग फुटवियर करें ट्राई

गर्मियों में महिलाएं अक्सर कपड़ों के साथ मैचिंग फुटवियर को लेकर कन्फ्यूज नजर आती हैं. ऐसे में कुछ ट्रेंडिंग फुटवियर ट्राई करके आप अपने लुक को एन्हॉन्स कर सकती हैं. गर्मी में आउटिंग के दौरान बैलेरिना शूज पहनने से लेकर स्नीकर्स, स्लाइडर्स और क्रॉक्स जैसे कुछ फुटवियर का चुनाव करके आप कंफर्टेबल और स्टाइलिश लुक कैरी कर सकती हैं.

गर्मी के मौसम में ज्यादातर लोगों को आउटिंग का बेहद शौक होता है. खासकर महिलाएं गर्मियों में घूमने के लिए स्टाइलिश और हल्के कपड़ों का चुनाव करती हैं. लेकिन फुटवियर को नजरअंदाज कर देती हैं. जिसके चलते उनका स्टाइल और कम्फर्ट प्रभावित होता है. दरअसल बाहर जाते समय महिलाएं अक्सर अपने फुटवियर को लेकर कन्फ्यूज रहती हैं. ऐसे में अगर आप आउटिंग का प्लान बना रहीं हैं. तो 6 डिफरेंट टाइप के फुटवियर ट्राई करके आप स्टाइल के साथ-साथ कंफर्टेबल लुक भी कैरी कर सकती हैं. तो आइए जानते हैं गर्मियों में आउटिंग के लिए बेस्ट फुटवियर के नाम.

बैलेरिना शूज

पैरों को चारों तरफ से कवर करने के लिए आप बैलेरिना शूज का चुनाव कर सकती हैं. वहीं बैलेरिना शूज में हील्स भी काफी कम होती है. ऐसे में बैलेरिना शूज पहनकर आप कंफर्टेबल और एलिगेंट लुक कैरी कर सकती हैं.

लोफर खच्चर

लोफर खच्चर शूज एड़ियों के लिए काफी आरामदायक ऑप्शन साबित हो सकते हैं. खासकर अगर आपकी एड़ियों में दर्द रहता है. तो आप लोफर खच्चर शूज कैरी कर सकती हैं. वहीं लोफर खच्चर शूज में आप अपने स्टाइल को भी एन्हॉन्स कर सकती हैं.

स्नीकर शूज

गर्मियों में स्नीकर शूज पहनना काफी कॉमन होता है. स्नीकर्स को आप जींस के अलावा मैक्सी ड्रेस पर भी कैरी कर सकती हैं. वहीं स्नीकर्स को ऑल टाइम फैशन ट्रेंड का हिस्सा माना जाता है. जिसके चलते आप इसे हर मौसम में ट्राई कर सकती हैं.

स्लाइडर्स

गर्मियों में कंफर्टेबल स्टाइलिश लुक कैरी करने के लिए आप स्लाइडर्स का चुनाव कर सकती हैं. खासकर बीच और स्वीमिंग पूल जैसी पानी वाली जगहों पर आउटिंग के लिए स्लाइडर्स पहनना बेहतर विकल्प साबित हो सकता है.

टी बार सैंडल

गर्मियों में फ्लैट और आरामदायक फुटवियर पहनने के लिए आप टी बार सैंडल कैरी कर सकती हैं. टी बार सैंडल स्लीक होने के साथ-साथ काफी स्टाइलिश भी लगती हैं. जिसे पहन कर आप आसानी से अपने लुक को ऑसम बना सकती हैं.

क्रॉक्स

गर्मी में कंफर्टेबल फुटवियर का सेलेक्शन करने के लिए आप क्रॉक्स ट्राई कर सकती हैं. वहीं क्रॉक्स पहनने से आपको गिरने का भी डर नहीं रहता है. ऐसे में क्रॉक्स की मदद से आप पैरों को भी सुरक्षित रख सकती हैं.

दिल्ली में तेजी से पैर पसार रहा कोरोना, 24 घंटे में 300 मामले आए सामने; 13.89 प्रतिशत पहुंची संक्रमण दर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना एक बार फिर पैर पसार रहा है। बुधवार को कोरोना के 300 मामले रिकॉर्ड किए गए है। इसके बाद संक्रमण दर बढ़कर 13.89 प्रतिशत हो गई है। यह आंकड़े सिटी हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से साझा किए गए है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना एक बार फिर से पैर पसार रहा है। बुधवार को कोरोना के 300 मामले रिकॉर्ड किए गए है। इसके बाद संक्रमण दर बढ़कर 13.89 प्रतिशत हो गई है। यह आंकड़े सिटी हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से साझा किए गए है। बता दें कि 24 घंटों में कोरोना से 2 मौतें हो गई है।

मंगलवार को आए थे 214 मामले

दिल्ली में मंगलवार को संक्रमण के 214 मामले सामने आए थे, जिसके चलते दर 11.82 प्रतिशत पहुंची थी। दिल्ली में सोमवार को कोरोना वायरस के 115 नए मामले सामने आए और संक्रमण की दर 7.45 प्रतिशत रही थी। शहर में रविवार को 9.13 प्रतिशत की पॉजिटिव दर के साथ 153 मामले और शनिवार को 4.98 प्रतिशत की पॉजिटिविटी दर के साथ 139 मामले दर्ज किए गए थे।

H3N2 के मामलों में भी तेजी से वृद्धि

देश में एच3एन2 इन्फ्लुएंजा मामलों में तेजी से वृद्धि के बीच दिल्ली में पिछले कुछ दिनों में कोविड के नए मामलों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। दिल्ली में पिछले कुछ महीनों में नए मामलों की संख्या में गिरावट आई थी। 16 जनवरी को पहली बार कोरोना के मामले शून्य हो गए थे। नए मामलों के साथ, दिल्ली में कोविड-19 के मामले बढ़कर 20,09,361 हो गए हैं, जबकि वायरल संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या 26,526 हो गई है।

नए वेरिएंट से मामलों के बढ़ने की संभावना

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 7,986 बिस्तरों में से 54 बिस्तर शहर के कोविड-19 अस्पतालों में हैं, जबकि 452 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। वर्तमान में संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या 806 है। दिल्ली में चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि वायरस के नए xb1.1.16 वेरिएंट से मामलों में आने वाले दिनों में वृद्धि हो सकती है। हालांकि, कुछ दिनों पहले ही डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा था कि कोरोना से घबराने की जरूरत नहीं है।

एकीकरण के बाद सदन में पहली बार पेश हुआ बजट, भाजपा के सभी 11 प्रस्ताव रिजेक्ट

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के एकीकरण के बाद आज निगम का पहला बजट पेश हो रहा है जिसमें सभी पार्टियां बारी-बारी से अपनी राय रख रही हैं। जब चर्चा पूरी हो जाएगी तो सदन में वोटिंग कराई जाएगी और बजट पास हो जाएगा। पढ़ें हर डिटेल... डीडीए ने नागरिक अवसंरचना, यमुना बाढ़ के मैदानों के कायाकल्प और राजधानी में हरित स्थलों के विकास पर ध्यान देने वाले बजट को मंजूरी दी। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने समयबद्ध तरीके से ठोस दृश्य कार्यान्वयन का आह्वान किया। भाजपा पार्षदों की ओर से लाए गए 11 के 11 प्रस्ताव रिजेक्ट किए गए और आम आदमी पार्टी के सारे प्रस्ताव पास
संदीप कपूर ने कहा कि गली मोहल्लों में कुत्तों के स्टेलेराइजेशन की बड़ी समस्या है। बजट में चार साल पहले जो प्रोविजन था, वही आज भी है, इसके मतलब इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ, सीएम ने कहा है कि गायों के लिए गौशाला बनाएंगे, गाडियां खरीदेंगे, बजट में कुछ नहीं है।
इसके बाद भाजपा पार्षद रेखा गुप्ता ने कहा, जल्द ही विपक्ष में आने वाली है आम आदमी पार्टी। तीन महीने से व्यापारी खून के आंसू रो रहे हैं, कमिश्नर से कहिए कि कनवर्जन के नाम पर उनको सीलिंग का नोटिस जा रहा है, यह चिंता का विषय है। मुगल काल के समय से विशेष दर्जा प्राप्त पुरानी दिल्ली के बाजारों को कंवर्जन चार्ज और पार्किंग के नाम पर नोटिस भेजे जा रहे, ये उनपर लागू ही नहीं होते, वहां भ्रष्टाचार न करें।
इसके बाद प्रवीण कुमार लाकड़ा की बारी आई तो उन्होंने कहा, दिल्ली वालों ने भ्रष्टाचारियों की सत्ता खत्म कर ईमानदार सरकार बनाई, दिल्ली की जनता को धन्यवाद, जितनी भी प्रॉपर्टी दिल्ली में मॉनिटरिंग कमेटी ने सील की है, मेयर मैडम कमिश्नर से कहकर सबको डीसील कराइए।

इनसाइड

खास विक्रेता से किताबें-वर्दी खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेंगे निजी स्कूल, अवहेलना पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। निदेशालय ने स्पष्ट कहा है कि कोई भी निजी स्कूल कम से कम तीन साल तक स्कूल की वर्दी के रंग, डिजाइन व अन्य कोई बदलाव नहीं कर सकते हैं। वर्दी में बदलाव होने पर अभिभावकों को हर साल वर्दी खरीदनी पड़ जाती है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ता है। निजी स्कूल अपने विद्यार्थियों को किताबें एवं स्कूल की वर्दी (ड्रेस) किसी खास विक्रेता से खरीदने पर बाध्य नहीं कर सकेंगे। स्कूलों को अपनी वेबसाइट पर किताबें व वर्दी खरीदने के लिए कम से कम पांच दुकानों की सूची जारी करनी होगी। वहीं स्कूल तीन साल तक वर्दी में किसी तरह का बदलाव नहीं कर सकेंगे। शिक्षा निदेशालय ने यह आदेश जारी कर दिया है। स्पष्ट कहा है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली के स्कूलों में नया सत्र (2023-24) एक अप्रैल से शुरू होने वाला है। स्कूल खुलने पर किताबों व वर्दी की जरूरत होगी। हर साल निजी स्कूल संचालक अपने विद्यार्थियों पर किसी खास विक्रेता से वर्दी एवं किताब कॉपियां खरीदने का दबाव बनाते हैं। दरअसल निजी मान्यता प्राप्त स्कूल किताबों-पाठ्य सामग्री व वर्दी के नाम पर अभिभावकों से मोटा पैसा लेते हैं। उन्हें निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है, जो कि एनसीईआरटी की किताबों के मुकाबले में काफी महंगी होती हैं। इसे देखते हुए शिक्षा निदेशालय ने किसी खास विक्रेता से किताबें व वर्दी खरीदने के लिए बाध्य नहीं करने की व्यवस्था बीते साल से शुरू की थी। निदेशालय के नोटिस में आया है कि कुछ स्कूल इस व्यवस्था को लागू करने के लिए दिए गए आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके बाद निदेशालय ने आगामी नए सत्र से पहले एक बार फिर स्कूलों को आदेश जारी किए हैं।

खराब मौसम के कारण हवाई सेवा में खलल, दिल्ली एयरपोर्ट से जयपुर डायवर्ट की गई 9 उड़ानें

दिल्ली-एनसीआर में खराब मौसम होने की वजह से 9 उड़ानों को दिल्ली एयरपोर्ट से जयपुर डायवर्ट किया गया है। दिल्ली-एनसीआर मे खराब मौसम होने की वजह से 9 उड़ानों को दिल्ली एयरपोर्ट से जयपुर डायवर्ट किया गया है। खराब मौसम के चलते उड़ानों को डायवर्ट करने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। बुधवार में दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने करवट ली है।

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर मे खराब मौसम होने की वजह से 9 उड़ानों को दिल्ली एयरपोर्ट से जयपुर डायवर्ट किया गया है। खराब मौसम के चलते उड़ानों को डायवर्ट करने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। बुधवार में दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने करवट ली है। तेज हवाओं के साथ बारिश भी हुई है। इसी के चलते इन उड़ानों को डायवर्ट किया गया है।

चाइनीज मांझे से कटा स्कूटी सवार महिला का गला, हालत गंभीर; ऑफिस से लौट रही थी घर

शास्त्री पार्क फ्लाईओवर पर चाइनीज मांझे से स्कूटी सवार एक महिला का गला कट गया। हादसे के वक्त पीड़िता अपने आफिस से घर लौट रही थी। गला कटने पर विंकी भारद्वाज (36) स्कूटी समेत सड़क पर गिर गई।

दिल्ली। शास्त्री पार्क फ्लाईओवर पर चाइनीज मांझे से स्कूटी सवार एक महिला का गला कट गया। हादसे के वक्त पीड़िता अपने आफिस से घर लौट रही थी। गला कटने पर विंकी भारद्वाज (36) स्कूटी समेत सड़क पर गिर गई। पीड़िता के आफिस के साथियों ने जख्मी हालत में संत परमानंद अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से उन्हें वैशाली स्थित मैक्स अस्पताल में रेफर कर दिया है।

महिला का हुआ ऑपरेशन

बुधवार को महिला के गले का ऑपरेशन हुआ। महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। शास्त्री पार्क थाना पुलिस प्राथमिकी पंजीकृत कर मामले की जांच कर रही है। विंकी सेक्टर-17 जी, वसुंधरा में अपने परिवार के साथ रहती हैं। परिवार में पति सुमित चौधरी व अन्य सदस्य हैं। महिला कनाट प्लेस में एक निजी कंपनी में नौकरी करती हैं। मंगलवार शाम को वह अपनी स्कूटी से आफिस से घर लौट रही थी।

चाइनीज मांझे की चपेट में आ गई महिला

वह जीटी रोड होते हुए शास्त्री पार्क फ्लाईओवर पर पहुंची, अचानक से चाइनीज मांझे की चपेट में आ गई। वह कुछ समझ पाती तब तक उनका गला काफी कट चुका था। तेजी से खून बहने लगा। स्कूटी समेत सड़क पर गिर गई। पीछे से महिला के आफिस के साथी अपने वाहन से आ रहे थे, उन्होंने घायल हालत में उन्हें देखा तो वह रूक गए। अपने वाहन से महिला को अस्पताल लेकर गए।

राजधानी में चाइनीज मांझा प्रतिबंधित है, इसके बाद भी उसका कहर जारी है। यमुनापार में मांझे से गर्दन कटने का यह पहला मामला है। इससे पहले शास्त्री पार्क फ्लाईओवर व उसके आसपास कई वाहन चालक इस घातक मांझे का निशाना बन चुके हैं। पुलिस, प्रशासन की अनदेखी की वजह से इस मांझे पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लग पा रहा है।

12 अगस्त 2022 : शास्त्री पार्क फ्लाईओवर पर चाइनीज मांझे की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार की मौत।

14 अगस्त 2022 : नत्थू कालोनी फ्लाईओवर पर स्कूटी सवार कारोबारी का गला कटने से मौत।

यमुना डूब क्षेत्र और हरित क्षेत्र का होगा विकास, नागरिक सुविधाएं होंगी बेहतर; LG की अध्यक्षता में बजट पारित

उपराज्यपाल व दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अध्यक्ष वीके सक्सेना की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बोर्ड बैठक में वर्ष 2023 -24 के लिए 7643 करोड़ रुपये का बजट पारित कर दिया गया। दिल्ली की तीसरी रिंग रोड (यूईआर टू) को भी प्राथमिकता दी गई है।

नई दिल्ली। उपराज्यपाल व दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अध्यक्ष वीके सक्सेना की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बोर्ड बैठक में वर्ष 2023 -24 के लिए 7,643 करोड़ रुपये का बजट पारित कर दिया गया। इस बार बजट में राष्ट्रीय राजधानी विशेष रूप से नरेला, द्वारका एवं रोहिणी के नागरिक बुनियादी ढांचे पर ध्यान देने के साथ- साथ ही जी-20 के मददेनजर यमुना के डूब क्षेत्र, हरित स्थानों के कायाकल्प और बहाली पर विशेष जोर दिया गया है।

तीसरी रिंग रोड को दी गई प्राथमिकता

दिल्ली की तीसरी रिंग रोड (यूईआर टू) को भी प्राथमिकता दी गई है। प्राधिकरण ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए रोहिणी चरण चार और पांच, टिकरी कलां और नरेला के लिए पूर्व-निर्धारित दरों को भी मंजूरी दी। साथ ही सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार के लिए भू उपयोग परिवर्तन की अनुमति भी दी। प्राधिकरण ने 2023-24 के वार्षिक बजट को 7,643 करोड़ रुपये के वार्षिक परिव्यय के साथ अनुमोदित किया।

द्वारका में बनेगा गोल्फ कोर्स

इस अवधि में डीडीए का राजस्व और प्राप्तियां 8,541 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। मालूम हो कि वर्ष 2022-23 की तुलना में इस बार डीडीए का बजट 290 करोड रुपये कम रहा है, जबकि इसका राजस्व 598 करोड़ बढ़कर 7,943 की तुलना में 8,541 करोड़ रुपये अनुमानित है। बजट में रोहिणी और नरेला में खेल परिसरों के लिए खास प्रविधान किए गए हैं। द्वारका में गोल्फ कोर्स बनेगा।

बोर्ड बैठक में जंगपुरा में रीजनल रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) प्रतिष्ठानों के लिए भूमि उपयोग के परिवर्तन को भी मंजूरी दी गई। इसके साथ ही बवाना में सीआरपीएफ के ट्रांजिट कैंप के लिए भी स्वीकृति दी गई। एम्स के पुनर्विकास के लिए डीडीए एल एंड डीओ को 219 वर्ग मीटर भूमि भी हस्तांतरित करेगा। प्राधिकरण की बैठक में डीडीए उपाध्यक्ष सुभाषीश पांडा, सदस्य एवं विधायक विजेंद्र गुप्ता, सोमनाथ भारती, ओपी शर्मा व दिलीप पांडेय सहित तमाम अधिकारी भी मौजूद रहे।

मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इसके चलते तापमान में भी थोड़ी गिरावट देखने को मिलेगी।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम का मिजाज, तेज आंधी के साथ हल्की बारिश; तापमान में आई गिरावट

दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में बुधवार को शाम के समय तेज आंधी के साथ हल्की बारिश शुरू हो गई। खास बात है कि बीते दो दिनों से गर्मी के तेवर में नमी देखी जा रही है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में बुधवार को मौसम में बदलाव देखने को मिला है। शाम के समय दिल्ली एनसीआर के कई हिस्सों में हल्की बारिश शुरू हो गई। खास बात है कि बीते दो दिनों से गर्मी के तेवर में नमी देखी जा रही है।

बुधवार की शाम को मौसम एकाएक बदला और दिल्ली एनसीआर के कई हिस्सों में हल्की बारिश होने लगी। कई हिस्सों में तो तेज आंधी भी चली। साहिबाबाद में तो आंधी के कारण बिजली गुल हो गई। बता दें कि मौसम विभाग ने मंगलवार को अनुमान लगाया था कि बृहस्पतिवार से दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज फिर बदलेगा। बृहस्पतिवार और शुक्रवार को तेज हवा के साथ हल्की बरसात होने की संभावना है।

शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट

मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इसके चलते तापमान में भी थोड़ी गिरावट देखने को मिलेगी। साथ ही विभाग की ओर से बुधवार को आंशिक तौर पर बादल छाए रहने का अनुमान लगाया गया था। IMD के अनुमान के बाद बुधवार की शाम को बारिश शुरू हो गई है।

30 मार्च को UP में बारिश के आसार

बता दें कि मौसम विभाग के अनुसार 30 मार्च से एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से उत्तर प्रदेश में भी बारिश के आसार हैं। 31 मार्च को पूरे प्रदेश में तेज हवाओं के साथ बारिश के लिए चेतावनी जारी की गई है। 30 मार्च को छिटपुट बारिश के बाद 31 मार्च को यूपी में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की सफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

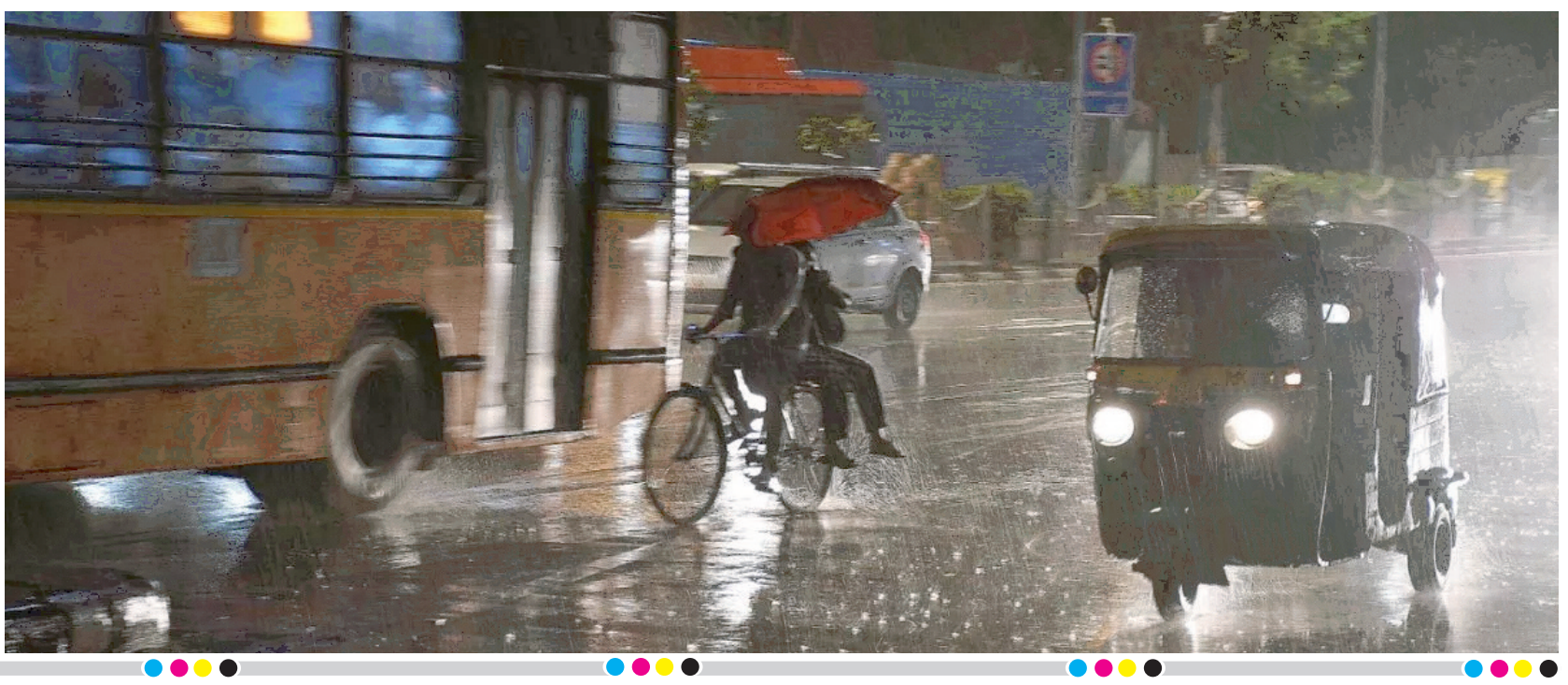

खुशखबरी: गाजियाबाद क्षेत्र को मिली 15 नई बसें, यात्रियों का सफर होगा आसान

परिवहन विशेष संवाददाता

नई बसों को गाजियाबाद हापुड़ और बुलंदशहर जिले के लिए दिया गया है। इन बसों के संचालन से यात्रियों को राहत मिलेगी। प्रदूषण भी कम होगा। अप्रैल में 90 इलेक्ट्रिक बसें (ई-बसें) भी गाजियाबाद को मिलेंगी।

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) मुख्यालय से गाजियाबाद क्षेत्र को 15 और बीएस - 6 बसें मिली हैं। इससे पहले 15 बीएस-6 राजधानी बसें मिली थीं। नई बसों को गाजियाबाद, हापुड़ और बुलंदशहर जिले के लिए दिया गया है। बसों के संचालन से यात्रियों को राहत मिलेगी। प्रदूषण भी कम होगा। अप्रैल में 90 इलेक्ट्रिक बसें (ई-बसें) भी गाजियाबाद को मिलेंगी।

यूपीएसआरटीसी के गाजियाबाद के 7 क्षेत्रीय प्रबंधक केसरी नंदन चौधरी ने बताया कि मुख्यालय से 15 बीएस-6 बसें मिली हैं। छह बसें हापुड़ डिपो, पांच लोनी डिपो और चार खुर्जा डिपो को दी गई हैं। डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक जरूरत के अनुसार रूट का निर्धारण कर इन बसों का संचालन करेंगें। इससे पहले गाजियाबाद क्षेत्र में कुल 47 बसें थीं। अब बीएस-6 बसों की संख्या 62 हो गई है। 62 हो गई है। बीएस - 4 बसों के चलने से प्रदूषण कम होगा। इससे लोगों को प्रदूषण से राहत और यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

15 राजधानी बसें भी मिलीं

बीते माह मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना के तहत गाजियाबाद रीजन को 15 राजधानी बसें मिलीं। इन बसों का संचालन साहिबाबाद, कौशांबी, हापुड़, खुर्जा, बुलंदशहर और सिकंदराबाद से किया जा रहा है। सभी बसें गृह डिपो से चलकर कौशांबी डिपो आती हैं। इसके बाद ये बसें एक्सप्रेस - वे या बरेली के रास्ते लखनऊ जाती हैं। कौशांबी से लखनऊ तक ये बसें अन्य साधारण बसों की अपेक्षा जल्द करीब आठ घंटे में पहुंच जाती हैं। इन बसों का किराया भी साधारण बसों के 10 प्रतिशत ज्यादा 887 रुपये है।

अप्रैल में मिलेंगी 90 ई-बसें

यूपीएसआरटीसीटी के क्षेत्रीय प्रबंधक केसरी नंदन ने बताया कि अप्रैल में 90 और ई बसें मिल जाएंगी। इन बसों को विभिन्न रूटों पर चलाया जाएगा। इससे लोगों को राहत मिलेगी।

अभी जिले में पांच रूटों पर 50 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन हो रहा है। बसों का किराया बहुत कम है। प्रदूषण की रोकथाम, सड़कों से वाहनों का दबाव कम करने व यात्रियों की सुविधा के उद्देश्य से ई-बसों का संचालन किया जा रहा है।

इनसाइड

लोनी में कविता हॉल के सामने मिला अज्ञात वृद्ध का शव, जांच में जुटी पुलिस

लोनी बॉर्डर क्षेत्र के कविता हॉल के सामने पुलिस ने बुधवार सुबह अज्ञात वृद्ध का शव बरामद किया है। शिनाख्त ना होने पर शव को पोस्टमार्टम को भेज पुलिस जांच में जुट गई है। लोनी बॉर्डर पुलिस को बुधवार सुबह राहगीरों ने सूचना दी।

गाजियाबाद। लोनी बॉर्डर क्षेत्र के कविता हॉल के सामने पुलिस ने बुधवार सुबह अज्ञात वृद्ध का शव बरामद किया है। शिनाख्त ना होने पर शव को पोस्टमार्टम को भेज पुलिस जांच में जुट गई है। लोनी बॉर्डर पुलिस को बुधवार सुबह राहगीरों ने सूचना दी कि कविता सिनेमा हॉल के सामने 65 वर्षीय वृद्ध का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की शिनाख्त कराना चाहा मगर नहीं हो सकी। शिनाख्त ना होने पर शव को पोस्टमार्टम के भेज पुलिस जांच में जुट गई है। मृतक काले रंग का पैंट, खाकी गहरी कलर की फुल बाजू की शर्ट, शर्ट पर अंग्रेजी में सर्वेश सिक्योरिटी लिखा हुआ है।

2015 से स्कूल में नहीं है बिजली, अंधेरे में पढ़ाई करने के लिए मजबूर है 'देश के भविष्य'

दनकौर ब्लाक में स्थित उच्च प्राथमिक स्कूल चूहड़पुर खादर में सालों से बिजली नहीं है। छात्रों और शिक्षकों को पूरे साल बिना बिजली के ही पठन पाठन कराना पड़ता है। बिजली की व्यवस्था के लिए शिक्षक कई बार विभाग को भी अवगत करा चुके है।

नोएडा। दनकौर ब्लाक में स्थित उच्च प्राथमिक स्कूल चूहड़पुर खादर में सालों से बिजली नहीं है। छात्रों के साथ शिक्षकों को पूरे साल बिना बिजली के ही पठन पाठन कराना पड़ता है। स्कूल में बिजली की व्यवस्था हो सके, इसके लिए स्कूल के शिक्षक कई बार विभाग को भी अवगत करा चुके है। उसके बाद भी स्कूल में बिजली की व्यवस्था नहीं हो पाई है।

पोलिंग बूथ बनाते समय जोड़ी गई थी बिजली

स्कूल की शिक्षिका ने बताया कि कुछ साल पहले चुनाव के दौरान स्कूल को पोलिंग बूथ बनाया गया था। उस दौरान स्कूल में बिजली जोड़ी गई थी। फाल्ट होने के बाद बिजली की सप्लाई बाधित हो गई थी। बिजली नहीं होने की जानकारी विभाग को कई बार दी गई, उसके बाद भी कोई कदम नहीं उठाए गए। शिक्षिका ने बताया कि कक्षा छह से आठ तक 45 छात्रों का नामांकन है। स्कूल में साल 2015 तक ही बिजली सुविधा थी। 2015 के बाद से अब तक स्कूल परिसर में बिजली की कोई व्यवस्था नहीं है।

बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से बड़े बड़े दावे किए जा रहे हैं कि सभी परिषदीय स्कूलों में बिजली का कनेक्शन है, लेकिन जिले के चारों ब्लाक में कई ऐसे स्कूल हैं। जहां छात्रों के साथ शिक्षकों को भी अंधेरे में ही पढ़ाई करानी पड़ रही है। डीसी निर्माण अविनाश सिंह ने बताया कि स्कूल में बिजली का कनेक्शन है। बिजली का बिल बकाया होने पर कई स्कूलों की बिजली काट दी गई थी। उसी दौरान इस स्कूल की भी बिजली काटी गई थी। स्कूल में जल्द बिजली जोड़ दी जाएगी। बिजली के बकाया बिल की फाइल शासन को भेज दी गई है।

कायाकल्प के तहत भी नहीं हुए कार्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मिशन कायाकल्प के तहत परिषदीय स्कूलों की काया बदलने का कार्य कर रहे है, लेकिन उच्च प्राथमिक स्कूल चूहड़पुर खादर और प्राथमिक स्कूल चूहड़पुर में कायाकल्प के तहत कोई कार्य नहीं हो पाए हैं। चारदीवारी तक नहीं है। इसके साथ ही कायाकल्प के 19 बिंदुओं पर कोई कार्य ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने नहीं कराया है।

स्टंटबाजी पर पुलिस का एक्शन, कार से स्टंट पर काटा 25,500 का चालान

शहर में कार और दोपहिया से स्टंट कम नहीं हो रहे हैं। बुधवार को कार से स्टंट करने पर नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने 25 हजार 500 रुपये का चालान किया है। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद लोगों ने कार्रवाई की मांग की थी।

नोएडा। शहर की सड़कों पर आए दिन युवा स्टंटबाजी करते नजर आते हैं। कभी एक्सप्रेस पर रील बनाते हुए नजर आ रहे हैं। कभी कार और दोपहिया वाहनों पर स्टंट करते नजर आ रहे हैं। युवाओं का कार और दोपहिया से स्टंट कम नहीं हो रहे हैं।

25 हजार का काटा चालान

बुधवार को कार से स्टंट करने पर नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने 25 हजार 500 रुपये का चालान किया है। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में देखा जा सकता है कि एक युवक कार की विंडो शीट से बाहर लटका हुआ है। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद लोगों ने कार्रवाई की मांग की थी।

ट्रैफिक नियम के उल्लंघन पर चालान

इसके बाद यातायात पुलिस ने कार का चालान किया है। वहीं दोषपूर्ण नंबर प्लेट और अन्य यातायात नियम के उल्लंघन पर 19 हजार रुपये का चालन किया गया है। वहीं बुधवार को सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-62 माडल टाउन, सेक्टर-62 फोर्टिस हास्पिटल, सेक्टर-64 ए-ब्लाक गोलचक्कर पर आड़े तिरछे, नो पार्किंग में खड़े, बीच सड़क पर सवारियों को उतरने-चढ़ाने एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले ई-रिक्शा, ऑटो के खिलाफ कार्रवाई की गई।

सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल के पास ई-रिक्शा, ऑटो, टेंपो चालकों को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के विषय में जानकारी के साथ सवारी से मृदु व्यवहार करने एवं यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया है। सेक्टर-121 स्थित पर्थला के पास विपरीत दिशा में चलने वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

अधिकारियों के साथ व्यापारियों की झड़प, 250 किलो प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त

प्राधिकरण जन स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों ने सड़क पर उतरकर कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार की सुबह आठ बजे सेक्टर-88 स्थित फूल व फल-सब्जी मंडी में कार्रवाई करने पहुंची टीम को व्यापारियों के भारी विरोध का सामान करना पड़ा।

नोएडा। प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के लिए सामाजिक संस्था गाइडेड फार्चून के सहयोग से प्राधिकरण जन स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों ने सड़क पर उतरकर कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार की सुबह आठ बजे सेक्टर-88 स्थित फूल व फल-सब्जी मंडी में कार्रवाई करने पहुंची टीम को व्यापारियों के भारी विरोध का सामान करना पड़ा।

अधिकारियों और व्यापारियों के बीच झड़प

इस दौरान वेंडरों के पास पर्याप्त मात्र में मौजूद प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक को जब्त करने को लेकर अधिकारियों और व्यापारियों के बीच झड़प तक हो गई। मामला तू तू मैं मैं पर उतर आया, ऐसे में मौजूद पुलिस को दोनों के बीच हस्तक्षेप कर मामले को शांत करना पड़ा। इस दौरान टीम

ने 250 किलोग्राम प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक को जब्त किया।

पकड़ने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची

जन स्वास्थ्य विभाग उपमहाप्रबधंक एसपी सिंह ने बताया कि बाजार से सूचना मिल रही थी कि यहां पर भारी मात्रा में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर चार वेंडर प्रतिदिन बिक्री के लिए आते है, जिनको पकड़ने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग की टीम दल बल के साथ पहुंची थी, चारों को पकड़ भी लिया गया था, लेकिन व्यापारियों के विरोध का फायदा उठाकर एक वेंडर प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक लेकर भाग निकला।

वेंडरों के कब्जे से सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त

तीन वेंडरों के कब्जे से इतनी भारी भरकम प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक को जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि ससे पहले सुबह सात बजे ही जन स्वास्थ्य विभाग की टीम वर्क सर्किल छह के सहयोग से सेक्टर-78 स्थित आम्रपाली प्रिंसले सोसायटी की के बाहर मार्केट पहुंची, जहां पर मार्केट में अवैध रूप से संचालित वेंडरों पर कार्रवाई की गई, उनके सामान को जब्त किया गया।

तीन जेसीबी के जरिये शेड तोड़े गए। इस वेंडर जोन के कारोबारी निकलने वाले कचरे को नाला व नाली में डंप कर रहे थे, जिसके खिलाफ कार्रवाई की गई। नाला व नाली की सफाई कराई गई। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल, अभिज्ञान, राकेश भाटी समेत अन्य मौजूद रहे।

हनुमान जी की मूर्ति को तोड़ा, इंवर्टर बैटरी चोरी; लोगों के हंगामे पर 3 घंटे में आरोपित गिरफ्तार

आरोपितों ने हनुमानजी की एक मूर्ति को भी खंडित कर दिया और अन्य मूर्तियों को अस्त-व्यस्त कर दिया। सुबह जब स्थानीय लोगों को इस संबंध में पता चला तो उनमें रोष फैल गया। पुलिस ने तीन घंटों में ही दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

गाजियाबाद। मसूरी थाना क्षेत्र के मिसलगढ़ी में चोरों ने एक मंदिर के ताले तोड़कर दुर्गा माता की दो पीतल की मूर्तियां, धार्मिक पुस्तक व इंवर्टर-बैटरी चोरी कर लिए। आरोपितों ने हनुमानजी की एक मूर्ति को भी खंडित कर दिया और अन्य मूर्तियों को अस्त-व्यस्त कर दिया। सुबह जब स्थानीय लोगों को इस संबंध में पता चला तो उनमें रोष फैल गया।

मंदिर के बाहर लोगों को हंगामा

लोगों ने मंदिर के बाहर जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की। सीसीटीवी फुटेज में घटना कैद मिली। पुलिस ने तीन घंटों में ही दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का सारा सामान बरामद कर लिया। आरोपितों का एक साथी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। एहतियात के तौर पर मौके पर पुलिसबल की तैनाती की गई है।

ताले को तोड़कर मंदिर में चोरी

मिसलगढ़ी स्थित शिव मंदिर के महंत सर्वेश त्रिवेदी मंगलवार रात करीब 11 बजे मंदिर के ताले लगाकर गए थे। देर रात करीब तीन बजे चोरों ने मंदिर के ताले तोड़कर चोरी की। चोर मंदिर से दुर्गा माता की दो पीतल की मूर्ती, धार्मिक पुस्तकें और इंवर्टर बैटरी चोरी कर ले गए। चोरों ने हनुमान जी की मूर्ति को खंडित कर दिया और अन्य मूर्तियों को भी अस्त-व्यस्त कर दिया। सुबह करीब पांच बजे मंहत मंदिर पहुंचे तो चोरी का पता चला।

तीन घंटे के भीतर चोर गिरफ्तार

सूचना क्षेत्र में तेजी से फैल गई और हिंदू संगठन के अलावा आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। लोगों ने मंदिर के बाहर जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत किया। पुलिस ने मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो उसमें चोर कैद मिले। पुलिस ने तीन घंटों के भीतर चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की गई मूर्तियां व इंवर्टर बैटरी समेत अन्य सामान बरामद कर ली। डीसीपी ग्रामीण जोन रवि कुमार ने बताया कि महंत की तहरीर पर तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर मसूरी क्षेत्र के हसन उर्फ हसीन व दीपांशु को गिरफ्तार किया गया है। जबकि इनके तीसरे साथी की तलाश की जा रही है। माहौल बिगाड़ने वालों से पुलिस सख्ती से पेश आएगी। एहतियात के तौर पर क्षेत्र में पुलिसबल की तैनाती की गई है। आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

साहिबाबाद में लगी भीषण आग, दो दुकानें जलीं चार फ्लैटों में भी नुकसान, लोगों को सुरक्षित निकाला

साहिबाबाद के शालीमार गार्डन एक्सटेंशन 2 में बुधवार को भीषण आग लग गई है। आग लगने के कारण तीन दुकान और चार फ्लैट भी जल गए हैं। आग की सूचना मिलने के बाद दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर काबू पाया है।

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन- दो में बुधवार दोपहर करीब सवा दो बजे अपर ग्राउंड फ्लोर पर बने एक बुटीक में आग लग गई। इससे दो दुकानें जल गईं। चार फ्लैटों में भी आग लगने से भारी नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि लोगों ने फ्लैटों से बुजुर्गों का बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जिससे बड़ी दुर्घटना चल गई।

10 मिनट में पहुंची दमकल की गाड़ी

शालीमार गार्डन एक्सटेंशन दो के प्लाट संख्या 89 पर तीन मंजिला भवन बना है । इस भवन के बेसमेंट और अपर ग्राउंड फ्लोर पर दुकाने हैं। अपर ग्राउंड फ्लोर के एक बुटीक में दोपहर करीब सवा दो बजे आग लग गई। दुकान में कपड़े रखे थे, जिससे आग तेजी से फैल गई और ऊपर के फ्लैटों तक पहुंच गई। 10 मिनट में मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी की मदद से दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाना शुरू किया।

फ्लैटों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला

करीब एक घंटे तक आग बुझाने का कार्य जारी रहा। शार्ट सर्किट के कारण दुकान में आग लगने की आशंका जताई जा रही है। दुकान के ऊपर 4 फ्लैटों में बुजुर्ग महिलाएं व बच्चे थे। पार्वती व ऊषा बीमार थी, लोगों ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उनका कहना है कि अचानक धुआं उठने से घर में भगदड़ मच गई। वह घबराने लगीं। सुरक्षित बाहर निकलने के बाद फ्लैटों में फंसे लोग जल्द आग बुझने और नुकसान न होने की प्रार्थना करते रहे।

धुएं से धुटने लगा दम बाहर भागे लोग

आग लगने के बाद धुंए के कारण पास की इमारतों में रहने वाले लोगों का दम घुटने लगा। इससे भगदड़ मच गई। लोग फ्लाइट में ताला लगा कर बाहर आ गए। मौके पर लोगों की खासी भीड़ जमा हो गई लोग अपने अपने मोबाइल में वीडियो बनाने रहे।

इनसाइड

हीरो स्प्लेंडर प्लस के मुकाबले कितनी दमदार है होंडा शाइन 100, कौन किस मामले में बेहतर

भारतीय बाजार में हीरो और होंडा दोनों कंपनियों की बाइक्स अधिक सेल होती है। हाल के दिनों में लॉन्च की गई होंडा शाइन 100 का मुकाबला स्प्लेंडर प्लस से है। आज हम आपके लिए Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus की तुलना लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। हीरो और होंडा दोनों ही कंपनियां भारतीय बाजार में आज से ही नहीं कई सालों से राज करते आ रही है। ये तो आपने भी खुद अनुभव किया होगा कि भारतीय सड़कों पर अधिकतर हीरो और होंडा की बाइक्स दिखाई देती है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने शाइन 100 के लॉन्च के साथ 100 सीसी मोटरसाइकिल कैटेगरी में कदम रखा है। नई 2023 होंडा शाइन 100 को भारतीय बाजार में 64,900 रुपये एक्स-शोरूम में लॉन्च किया गया है और इसका मुकाबला स्प्लेंडर प्लस से है। आज हम आपके लिए एंट्री-लेवल 100cc कम्यूटर मोटरसाइकिल की तुलना लेकर आए हैं।

Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus डिजाइन और कलर

डिजाइन के मामले में, इन दोनों मोटरसाइकिल का लुक ही लोगों को अधिक पसंद आता है। वाहन निर्माता कंपनी ने होंडा शाइन 100 को पांच कलर ऑप्शन में पेश किया है, जबकि स्प्लेंडर प्लस बारह पेंट कलर ऑप्शन में ही आती है।

Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus इंजन और गियरबॉक्स

Honda Shine 100 में 99.7cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन है जो 7.6 bhp और 8.05 Nm का टार्क जनरेट करती है। दूसरी ओर, हीरो स्प्लेंडर प्लस में 97.2cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड मोटर मिलता है जो 7.9 bhp और 8.05 Nm का पीक टॉर्क जनरेट करती है। ये दोनों मोटरसाइकिलें 4-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से जुड़ी हैं। इसके अलावा ये 60-70 kmpl का माइलेज देती है। नई होंडा शाइन 100 के साथ-साथ हीरो स्प्लेंडर प्लस स्पोर्ट टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर में डुअल स्प्रिंग-लोडेड शॉक एब्जॉर्बर के साथ आती है। दोनों में ब्रेकिंग सिस्टम के साथ दोनों ओर ड्रम ब्रेक द्वारा ब्रेकिंग ड्यूटी है।

Volkswagen 2025 तक लॉन्च कर सकती है अपनी हैचबैक इलेक्ट्रिक कार, एंट्री लेवल से ईवी में प्रवेश करेगी कंपनी

यह कई फॉक्सवैगन आर-बैज वाली इलेक्ट्रिक कारों में से एक होगी जिसे ऑटोमेकर वर्तमान में डेवलप कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि जर्मन कार ब्रांड ने पहले पुष्टि की थी कि हर नया आर प्रोडक्ट 2030 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक होगा।

फॉक्सवैगन इस समय इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में काफी तेजी से काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी आने वाले समय में एंट्री लेवल ईवी (ID.2.) कोडनेम को डेवलप करने की तैयारी कर रही है। ब्रिटिश ऑटोमोटिव प्रकाशन Autocar UK का दावा है कि EV एक हैचबैक अवतार में आएगी, जबकि एक कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर भी होगी। अधिक दिलचस्प बात यह है कि EV AWD से लैस एक R-बैज प्रदर्शन-केंद्रित संस्करण के साथ आएगा, जो 300 हॉर्स पॉवर जेनरेट करने में सक्षम होगा।

जानिए इसपर क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फॉक्सवैगन ID.2 2025 की दूसरी छमाही में आएगी, और इसका आर-बैज संस्करण Abarth 500e जैसे गाड़ियों को सीधा चैलेंज करेगी। यह कई फॉक्सवैगन आर-बैज वाली इलेक्ट्रिक कारों में से एक होगी, जिसे ऑटोमेकर वर्तमान में डेवलप कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि जर्मन कार ब्रांड ने पहले पुष्टि की थी कि हर नया आर प्रोडक्ट 2030 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक होगा। यह इलेक्ट्रिक कार कब लॉन्च होगी, क्या कुछ इसमें खास मिलने वाला है? लुक और डिजाइन में कैसी होगी इन तमाम सवालों का जवाब तभी मिल पाएगा, जब कंपनी खुद से रिवील करेगी। हालांकि, भारत में ये इलेक्ट्रिक कार आएगी या नहीं इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

ईवी की तेजी से बढ़ रही बिक्री

2022 की चौथी तिमाही में फॉक्सवैगन ने वैश्विक स्तर पर 118,000 ईवी बेचे, जर्मन ब्रांड के लिए एक नया रिकॉर्ड दर्ज किया। कुल मिलाकर, 2022 में 300,000 से अधिक फॉक्सवैगन ईवी का उत्पादन किया गया था।

हीरो जल्द शुरू कर सकता इलेक्ट्रिक बाइक पर काम, अमेरिका की इस बड़ी कंपनी से मिलाया हाथ

दोपहिया प्रमुख हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि उसने प्रीमियम इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को डेवलप करने के लिए अमेरिका स्थित जीरो मोटरसाइकिल के साथ एक समझौता किया है। कंपनी जल्द ही इलेक्ट्रिक सेगमेंट में आने को तैयार है।

देश में इस समय इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल की डिमांड होना शुरू हो गया है। हालांकि, अभी इस सेगमेंट में कई स्टॉर्टअप्स कंपनियां अपना लक आजमा रही हैं। अब हीरो भी अपने इलेक्ट्रिक सेगमेंट में एंट्री मारने की तैयारी कर रही है। अपने इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए कंपनी ने अमेरिका के एक प्रसिद्ध कंपनी के साथ हाथ मिलाया है।

हीरो ने किया करार

दोपहिया प्रमुख हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि उसने प्रीमियम इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को डेवलप करने के लिए अमेरिका स्थित जीरो मोटरसाइकिल के साथ एक समझौता किया है। देश की सबसे बड़ी दोपहिया निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के मैन्यूफैक्चरिंग, सोर्सिंग और मार्केटिंग के पैमाने के साथ पावर ट्रेन और इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल डेवलप करने में जीरो के साथ समझौता किया है। सितंबर 2022 में, हीरो मोटोकॉर्प के बोर्ड ने कैलिफोर्निया स्थित जीरो मोटरसाइकिल में 60 मिलियन अमरीकी डालर तक के इक्विटी निवेश को मंजूरी दी, जो इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल और पावरट्रेन में बड़ा प्लेयर है।

Hero Vida की खासियत

नया हीरो वीडा वी 1 दो वेरिएंट प्लस और प्रो में उपलब्ध है। इसमें कई राइड़िग मोड इको, राइड, स्पोर्ट है। प्लस और प्रो वेरिएंट के लिए 0-40 किमी प्रति घंटे का समय लगता है वहीं क्रमशः 3.4 सेकंड और 3.2 सेकंड है। दोनों में ली- आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया है। प्रो वेरिएंट 3.94 kWh बैटरी पैक के साथ आता है जबकि प्लस वर्जन में 3.44 kWh बैटरी पैक मिलता है। वहीं बड़े बैटरी पैक के साथ, प्रो वेरिएंट को 165km की IDC प्रमाणित रेंज मिलती है। दूसरी ओर, प्लस वेरिएंट को 143 किमी की प्रमाणित सीमा मिलती है। फास्ट चार्जिंग स्पीड 1.2 किमी प्रति मिनट है।

इंडियन मार्केट में कारों की तुलना में टू-व्हीलर्स क्यों फेमस? असल वजहों के बारे में समझें

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत एक ऐसा देश है जहां बेचे गए कुल वाहनों की अधिकांश बिक्री पैसेंजर वाहनों द्वारा कवर की जाती है और उनमें से एक बड़ा हिस्सा दोपहिया वाहनों का हैं। कारों की तुलना में टू-व्हीलर्स को लोग अधिक महत्व देते हैं।

नई दिल्ली। भारत में इस समय कारों की बिक्री में इजाफा देखने को मिला है। आप खुद ही आप पास के घरों में खड़ी कारों को देखकर अंदाजा लगा सकते हैं। हालांकि, जिनके भी घर कार होगी उनके घर दोपहिया वाहन जरूर देखने को मिलेगा। इस खबर में आपको बताने जा रहे हैं उन 3 वजहों के बारे में जहां आपको यह पता चलेगा कि कारों की तुलना में टू-व्हीलर्स इंडियन मार्केट में क्यों फेमस हैं

बेहतरीन माइलेज

कारों की तुलना में मोटरसाइकिल की माइलेज भी अधिक होती है। अगर कार औसतन 25 की माइलेज देती है तो टू-व्हीलर भी 60-70 तक की औसतन माइलेज देने में सक्षम है। यही वजह है कि भारत में अधिकतर लोग चार पहिया की तुलना में दोपहिया वाहन खरीदना अधिक पसंद करते हैं। इस समय एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस आने वाली मोटरसाइकिलों जिसमें अधिक सीसी का इंजन लगा हुआ होता है उसकी औसतन माइलेज 20-30 Kmpl होती है।

प्रदूषण

पर्यावरण के नजरिए से भी दोपहिया वाहन चार पहिया वाहन की तुलना में बेहतरीन होते हैं, क्योंकि चार पहिया वाहन अधिक ईंधन खाते हैं और उससे अधिक पॉल्यूशन भी निकलता है, वहीं दोपहिया वाहन हैं बहुत कम ईंधन खर्च होने के कारण उससे होने वाली पॉल्यूशन की मात्रा कम होती है। इसलिए, पर्यावरण के लिहाज से टू-व्हीलर बेस्ट होती हैं।

किफायती दाम

दोपहिया वाहन कार की तुलना में बेहद सस्ते होते हैं। जिस वजह से एक मध्यम वर्गीय परिवार और निचला मध्यम वर्गीय परिवार भी इसे खरीद पाता है। भारत के बाज़ार में लगभग 40,000 रुपए की शुरुआती क़ीमत से दोपहिया वाहनों की बिक्री शुरू हो जाती है। इसके अलावा, इन वाहनों के लिए बीमा बहुत कम लागत पर आता है। दोपहिया वाहनों की सबसे ख़ास बात यह होती है कि इनकी री सेल क़ीमत भी बहुत अधिक होती है। साथ ही इनका माईलेज भी कार की तुलना में कहीं बेहतर होता है।

इस मौसम में सबसे अधिक परेशान करती है कार के अंदर की धुंध, इन उपायों से मिलेगा चुटकियों में समाधान

आपके ड्राइविंग अनुभव को धुंधली स्क्रीन काफी हद तक खराब कर देती है। इससे गाड़ी चलाते समय सामने देखना काफी मुश्किल हो जाता है। धुंध सिर्फ बाहर ही नहीं आपके कार के अंदर भी परेशान करती है। इसके लिए आपको इन चुनिंदा बातों का ख्याल रखना चहिए।

नई दिल्ली। इस समय ठंड काफी तेजी से बढ़ रही है ।सुबह के समय कोहरा काफी अधिक हो रहा है, जिससे गाड़ी चलाते समय सामने देखना काफी मुश्किल हो जाता है। लेकिन ये परेशानी कार के अंदर भी होती है। अगर आपके कार के अंदर भी ठंड के मौसम में धुंध भर जाती है तो आज हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं जिससे आपकी परेशानी हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। आपके ड्राइविंग अनुभव को धुंधली स्क्रीन काफी हद तक खराब कर देती है। सबसे अधिक दिक्कत इस समय होती है। कोहरे के कारण आप कार के बाहर का देख नहीं सकते हैं। धुंध सिर्फ बाहर ही नहीं आपके कार के अंदर भी परेशान करती है। इसके लिए आपको इन चुनिंदा बातों का ख्याल रखना चहिए।

डिफॉग बटन का इस्तेमाल करें

अगर आप इस बात से अनजान हैं तो अपनी कार के अंदर आप विंडशील्ड को डिफॉग करने के लिए गाड़ी के अंदर दिए गए डिफॉग बटन का इस्तेमाल करें। ये बटन आपके कार के अंदर आता है। इसको दबाने के बाद हवा सीधे विंडशील्ड तक पहुंच जाती है।

एसी को ऑन करें

कार में जैसे ही बैठते हैं तो थोड़ी देर बाद फॉग महसूस होने लगता है, जिसके कारण आप बाहर का देख नहीं सकते और आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको बता दें कि इसके लिए आप कार में एसी को ऑन कर सकते हैं। इसके बाद लिंट-फ्री कपड़े से स्क्रीन को पोछ लेना चाहिए, ताकि आपको दिखाई देने लगे। इसके कारण कार के अंदर की धुंध भी गायब हो जाती है।

खिड़की को नीचे करें

कार के अंदर से धुंध को बाहर करने के लिए खिड़की को नीचे करना एक अच्छा ऑप्शन है। इससे बाहर की हवा अचानक आपकी कार के अंदरुनी हिस्सो को भर देती है, इसके कारण ही अंदर का तापमान बाहर के तापमान की तरह हो जाता है।

उच्च शिक्षा में सुधार कैसे हो?

डा. वरिंदर भाटिया

शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। ज्ञानवान योग्य शिक्षकों की नियुक्ति और सेवा बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है'

उच्च शिक्षा की बदहाल सूरत को लेकर देश का बिहार राज्य ख़बरों में है। ताजातरीन तथ्य बताते हैं कि बिहार में चल रही 14 में से 8 यूनिवर्सिटीज और 591 में से 427 कॉलेजों को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल (नैक) की मान्यता तक नहीं है। अनेक विश्वविद्यालय मनमानी पर उतारू हैं। बीआर, बिहार यूनिवर्सिटी मुजफ्फरपुर और जेपी यूनिवर्सिटी छपरा ने नियम विरुद्ध कई कॉलेजों को संबद्धता दे दी, जबकि उनके पास पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर तक नहीं थे। तिलका मांझी यूनिवर्सिटी में प्री पीएचडी में 354 फेल छात्रों को गलत ढंग से ग्रेस मार्क्स देकर पास कर दिया गया। पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में दो एजेंसियों को नियम तोड़ टेंडर दे दिए। जांच करने पर ऐसे ही हालात देश की अनेक यूनिवर्सिटीज में पाए जा सकते हैं। इसके लिए उच्च शिक्षा सुधारों को पहल पर लिया जाना होगा। दुनिया में 900 से अधिक विश्वविद्यालयों का सबसे बड़ा आधार होने के बावजूद, भारत से केवल 15 उच्च शिक्षा संस्थान शीर्ष 1000 में हैं। यह भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए एक खतरनाक संकेत है। भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद, छात्रों के मामले में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी है। यद्यपि उच्च शिक्षा का 75 प्रतिशत निजी क्षेत्र में है, सर्वोत्तम संस्थान, जैसे आईआईटी, आईआईएम, एआईआईएमएस व एनएलएस, सभी सरकार द्वारा स्थापित किए गए हैं।

आज भी देश के कई कॉलेज और विश्वविद्यालयों में योग्य शिक्षक नाम मात्र के हैं। उनके स्थान पर आज भी अप्रशिक्षित या अस्थाई शिक्षकों की सिर्फ और सिर्फ पैसे बचाने के फेर में अल्प वेतन में सेवाएं ली जा रही हैं। यह उच्च शिक्षा के लिए मीठा जहर है। इसके लिए राज्य सरकारों को सक्षम स्तर पर निरीक्षण करवाकर खामियां दूर की जानी चाहिए। उच्च शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों को शिक्षकों की नियुक्ति पर खास ध्यान देना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है। ज्ञानवान योग्य शिक्षकों की नियुक्ति और सेवा बनाए रखना महत्वपूर्ण है। ऐसे शिक्षकों को छात्रों के लिए रोल मॉडल बनाने के रूप में पेश करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उच्च शिक्षण संस्थाओं में मूल्यांकन सुधार की भी आवश्यकता है। निश्चित रूप से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता वर्तमान की प्रमुख समस्या है। यह गुणवत्ता मुख्यतः तीन स्तंभों पर आधारित है। बुनियादी ढांचा, कुशल फैकल्टी और नवाचार प्रक्रिया। इसको बनाये रखने के लिए सरकारी स्तर पर भी उच्च शिक्षण संस्थाओं को समय-समय पर दिशा निर्देश देकर उनकी प्रभावी मॉनिटरिंग करनी चाहिए, ताकि युवा वर्ग को समय पर रोजगार और नौकरी के अवसर मिल सकें। वर्तमान दौर में शिक्षा को संकुचित अर्थ में सरकारी सेवाओं में जाने का साधन माना जा रहा है, जबकि शिक्षा का व्यापक अर्थ मानव का सर्वांगीण विकास है। कभी नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों के लिए चर्चित रहे भारत में आज उच्च शिक्षा की गुणवत्ता क्यों सवालों के घेरे में है। राज्य सरकारों को उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर काम करने की आवश्यकता है। भारत गांवों का देश है।

इसलिए सरकार को शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार के लिए उनको गांवों से शुरुआत करनी चाहिए। अकादमिक नेतृत्व में व्यक्तिवादी लक्षण भी होते हैं जबकि अकादमिक नेतृत्व सहयोगी और परिवर्तनकारी कौशल की मांग करता है। शैक्षणिक उत्कृष्टता शिक्षण, अनुसंधान और अकादमिक प्रशासन में एकीकृत कौशल की मांग करती है। लेकिन विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति/संस्थापक और उनका समर्थन करने वाले मानव संसाधन नेताओं में इस क्षमता का अभाव है। उच्च शिक्षा में चयन के लिए साक्षात्कार अक्सर औपचारिक होते हैं। वरिष्ठ पदों के लिए केवल 30 मिनट का समय केवल उम्मीदवार के पिछले अनुभव पर ध्यान केंद्रित करता है जिसमें उनके अकादमिक नेतृत्व गुणों का आकलन करने के लिए कोई प्रमुख प्रश्न नहीं होता है। इसे सुधार लिया जाना चाहिए। अधिकांश उच्च शिक्षा संस्थानों में उच्च शिक्षा प्रशासन का काम हौसला तोडने वाला भी होता है, क्योंकि वे भागीदारी, जवाबदेही, पारदर्शिता, आम सहमति और समावेश जैसी विशेषताओं की उपेक्षा करते हैं। भारतीय शिक्षा का प्रबंधन अति-केंद्रीकरण, नौकरशाही संरचनाओं और जवाबदेही की कमी, पारदर्शिता और व्यावसायिकता की चुनौतियों का सामना करता है। उच्च शिक्षा प्रशासन अपने मामलों में कोई राजनीतिक प्रभाव या हस्तक्षेप नहीं चाहते हैं। प्रमुख राजनीतिक नेता अब विश्वविद्यालयों के शासी निकायों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क्या इसे ठीक किया जा सकता है? दुर्भाग्य से निजी तौर पर संचालित अधिकांश उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रवर्तक लोगों के बजाय भवनों, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में निवेश करते हैं। उन्हें इस बात का ज़रा भी एहसास नहीं है कि विद्यार्थी प्रेरणा देने वाले शिक्षकों से सीखते हैं न कि इमारतों से। उच्च शिक्षा संस्थानों को अकादमिक और प्रशसनिक मामलों में कंप्यूटर और हाई-स्पीड इंटरनेट तकनीक को अपनाना होगा। हमारे शैक्षिक वितरण तंत्र को मानव पूंजी की संपत्ति को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। राज्य सरकारों को तकनीकी अवसंरचना में अधिक निवेश करना चाहिए जिससे ज्ञान की पहुंच आसान हो सके।

राज्य सरकारों को मानदंड पूरा न करने वाले कॉलेज व विश्वविद्यालयों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। उच्च शिक्षा में शिक्षक का अहम रोल है। हमारे समाज में एक शिक्षक एक उद्यमी और निर्माता होता है। लेकिन किसी भी शिक्षक का प्रदर्शन कक्षा तक सीमित नहीं होना चाहिए। शिक्षण कार्य को व्यापक रूप से सुरक्षित, अच्छी तनख्वाह वाली और जोखिम मुक्त नौकरी माना जाता है। कुछ शिक्षक बदलना नहीं चाहते हैं। जैसे-जैसे वे अनुभवी होते जाते हैं, वे असंवेदनशील हो जाते हैं और छात्रों की प्रकृति और जरूरतों के बारे में भी नहीं सोचते हैं। इसके लिए सभी शिक्षकों को आत्म दर्शन की जरूरत रहेगी। उच्च शिक्षा सुधारों के वृहद एजेंडे के तहत राज्य सरकारों को भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। सरकार को बेहतर गुणवत्ता और सहयोगी अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शीर्ष संस्थानों के अनुसंधान केंद्रों के बीच संबंध बनाने चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों को छात्रों को सक्षम नागरिक बनाने का प्रयास करना चाहिए। शिक्षा प्रणाली के शीर्ष पर होने के नाते विश्वविद्यालयों को वैश्विक परिप्रेक्ष्य रखने का प्रयास करना चाहिए। उच्च शिक्षा किसी भी राष्ट्र के समग्र विकास का मूलभूत आधार है। नई शिक्षा नीति और नई तकनीक से शिक्षा से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ सकती है। आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक इस क्षेत्र में प्रयोग और उपयोग काफी कारगर साबित होगा। उच्च शिक्षा में सुधारों में तेजी लाने के लिए दो चीजें आवश्यक हैं। पहली कॉलेज पाठ्यक्रम को नियमित रूप से अपडेट किया जाए और दूसरा कौशल आधारित शिक्षा पर ध्यान दिया जाए।

पाठ्यक्रम को नियमित रूप से अपडेट करने से विद्यार्थियों को समय के साथ बदलते हुए परिवर्तन का ध्यान रहेगा। राज्य सरकारें खंगालें कि क्या ऐसा किया जा रहा है? अनेक विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रम को कई कई साल अपडेट नहीं करते हैं और छात्र आउटडेटिड ज्ञान पर समय नष्ट कर रहे होते हैं। रोजगारपरक उच्च शिक्षा की बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए। इससे विद्यार्थी अपने भविष्य को लेकर पसोपेश में नहीं होंगे। उच्च शिक्षा के साथ अगर स्थानीय स्तर पर उन्हें रोजगार मिल जाएगा, तो उनका भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। वर्तमान में दी जा रही उच्च शिक्षा को विकासोन्मुखी तथा व्यवसायोन्मुखी बनाना होगा, ताकि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता के संवैधानिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सके और बेहतरीन उच्च शिक्षा प्राप्त करके छात्र आत्मविश्वास से भरे नागरिक बन सकें।

संपादक की कलम से

राहुल के जरिए विपक्षी एकता

राहुल गांधी की सांसदी रद्द किए जाने के तुरंत बाद ही विपक्षी एकता के शुरुआती संकेत मिलने लगे हैं। हालांकि यह अंतिम स्थिति नहीं है और औपचारिक गठबंधन फिलहाल बहुत दूर है, लेकिन जो बदलाव सामने दिखे हैं, वे भी महत्त्वपूर्ण हैं। करीब एक साल के अंतराल के बाद तृणमूल कांग्रेस ने अपने दो सांसदों को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े की बैठक में भेजा। हालांकि तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने अपने संसदीय दल के नेताओं को बैठक से दूर ही रखा है, लेकिन घुटनों ने पेट की ओर मुडऩा शुरू कर दिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री एवं 'भारत राष्ट्र समिति' (बीआरएस) के अध्यक्ष चंद्रशेखर राव की, कांग्रेस के प्रति, तल्खी और विमुखता कुछ कम हुई है। उन्हें एहसास हो गया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दिल्ली सरकार के 'शराब घोटाले' में उनकी बेटी कविता को फंसा सकता है, लिहाजा वह जांच एजेंसियों के पूर्वाग्रह और दुरुपयोग से अकेले नहीं लड़ पाएंगे। लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की सांसदी खत्म करने का आदेश जारी किया, तो 'आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की प्रतिक्रिया सबसे आक्रामक थी। हालांकि माना जाता है कि कांग्रेस राजनीति में जो 'शून्य' पैदा कर रही है, 'आप' वहीं विकल्प देने की कोशिश कर रही है। कुछ महत्त्वपूर्ण सफलताएं भी मिली हैं। राहुल के मुद्दे पर केजरीवाल का मूड कुछ बदला है, लिहाजा 'आप' के नेता भी विपक्षी खेमे में दिखने लगे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी राहुल गांधी के पक्ष में बयान देते हुए लगभग वही जुबां बोली है, जो कांग्रेस और उसके सनातन विपक्षी साथी दल बोलते रहे हैं। सोमवार को नेता विपक्ष खडग़े के नेतृत्व में, काले कपड़े पहन कर, विपक्ष ने 'ब्लैक प्रोटेस्ट' किया और विजय चौक तक मार्च किया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद सोनिया गांधी भी काली साड़ी पहन कर सडक़ पर उतरीं। खडग़े द्वारा आयोजित रात्रि-भोज में 17 विपक्षी दलों के नेताओं ने शिरकत की। साझा एहसास होने लगा है कि यदि 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को तगड़ी टक्कर देनी है, तो विपक्ष को अपने बौने मतभेद भुलाने होंगे और भविष्य की व्यापक राजनीति पर सोचना, चिंतित होना पड़ेगा। विपक्षी एकता का पहला संकेत कर्नाटक से मिल रहा है कि कांग्रेस और जद-एस के बीच अनौपचारिक गठबंधन लगभग तय है। औपचारिक मुहर बाद में लगेगी, लेकिन वे साझा तौर पर चुनाव में उतरेंगे और उम्मीदवार भी साझा होंगे। उनका आकलन है कि भाजपा को पराजित भी किया जा सकता है। बहरहाल राहुल गांधी के संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण फैसला लोकसभा की आवास समिति ने लिया है कि पूर्व सांसद को सरकारी बंगला 22 अप्रैल तक खाली करना होगा। राहुल गांधी 2005 से 12, तुग़लक लेन वाले बंगले में रहते हैं। चूंकि उन्हें 'ज़ेड प्लस' सुरक्षा प्राप्त है, लिहाजा नया आवास सुरक्षा की दृष्टि से भी देखना होगा और सुरक्षा बल की सलाह भी महत्त्वपूर्ण होगी। दूसरे संकेत चुनाव आयोग से आ रहे हैं कि वह राहुल गांधी की खाली लोकसभा सीट-वॉयनाड-में उपचुनाव की शीघ्र ही घोषणा कर सकती है। राजनीति कांग्रेस और भाजपा दोनों के ही स्तर पर 'राष्ट्रीय' होने जा रही है, क्योंकि दोनों के आंदोलन देश भर में किए जाने हैं। आश्चर्य यह है कि राहुल गांधी ने निचली अदालत के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती क्यों नहीं दी? प्रियंका गांधी के कुछ बयान प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आए हैं और प्रियंका ने चुनौती दी है कि उनके खिलाफ केस दर्ज कराया जाए। विपक्ष के 14 दलों ने ईडी और सीबीआई के खिलाफ एक याचिका सर्वोच्च अदालत में दी है। कांग्रेस नए सवाल उठा रही है कि अब ईपीएफओ का पैसा भी अडानी समूह की कंपनियों में क्यों निवेश किया जा रहा है?

व्यंग्य

हिंदी कविता का फेसबुकवादी युग

जहां तक मैंने हिंदी कविता की नकली से नकली गाइड में पढ़ा है, हिंदी कविता में सबसे पहले वीरकाव्य आया। फिर भक्तिकाव्य। उसके बाद रीतिकाव्य आया तो उसके बाद आधुनिक कविता। हिंदी कविता अ कविता, न कविता, फ कविता, ट कविता, ह कविता से गुजरती हुई आज फेसबुकवादी कविता की काया में प्रवेश कर गई है। हिंदी कविता में फेसबुकवादी कविता का आरंभ वैसे तो फेसबुक के उदय के साथ ही हो गया था। फेसबुक का उदय होते ही कुछ संपादकों के अभिवादन और खेद सहित लौटती कविताओं के कवियों ने इस सबसे मुक्ति पाने के लिए फेसबुक पर कविता चेपने का प्रयोग किया। जब उन्हें लगा कि उनका यह प्रयोग सफल रहा तो उनकी देखा देखी में फेसबुक पर अपनी कविताओं के प्रकाशन के लिए संपादकों के सताए कुछ और कविता के इस नए आंदोलन में उनके साथ शरीक हुए। आचार्य रामचंद्र शुक्ल के बाद का सबसे खूंख्वार हिंदी आलोचक मैं प्राचार्य वामचंद्र कुक्ल इसे हिंदी कविता में फेसबुकवाद का बीजवपन काल कहता हूं। परंतु हिंदी कविता में फेसबुकवादी कविता का तूफानी आरंभ केवल मेरे जैसा कब्ज प्रतिष्ठित, मूर्धन्य समीक्षक कोरोना काल से मानता है। कोरोना काल में फेसबुकवादी कविता और कवियों की फेसबुक पर बाढ़ आ गई। न कोरोना आता, न फेसबुकवादी कविता आज अपने उच्चतम स्तर पर होती। हालांकि इसी बीच बड़े शोर शराबे के साथ आधुनिक हिंदी कविता में कविता का व्हाट्सएप युग भी आया हालावाद की तरह। पर बहुत जल्दी ही वह गुडमार्निंग, गुडनाइट में सिमट कर रह गया। आधुनिक हिंदी कविता के आंदोलन में जब फेसबुकवादी कविता का आरंभ हुआ तब इन फेसबुकिया कविताओं के कवि अपनी कविताओं के कवि भी खुद थे और पाठक भी खुद ही थे। क्या हुआ जो किसी ने गलती से उनकी फेसबुकिया कविता को कभी कभार एक आध अंगूठा दिखा दिया। आधुनिक हिंदी कविता आंदोलन में फेसबुकवादी कविता के विकास के पीछे पत्र, पत्रिकाओं के संपादकों द्वारा कविता छपने के बाद कवि को पारिश्रमिक न देना भी एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। तब कविता की फेसबुक धारा के कवियों ने सोचा कि क्यों न संपादकों का मुफ्त में छापने का अहसान लेने के बदले फेसबुक पर ही कविता चेपी जाए। पारिश्रमिक तो न वहां है, न यहां। यहां पर लिखने से कम से कम कविता को संपादक के फोके अभिवादन और खेद सहित लौटाने की पीड़ा से मुक्ति तो मिलेगी। इसके चलते भी आधुनिक हिंदी कविता में फेसबुकवादी कविता ने देखते ही देखते उग्र आंदोलन का रूप धारण कर लिया। हिंदी कविता में फेसबुकवादी कविता को सेमी मान्यता मिलने के बाद आज प्रतिष्ठित से लेकर लब्ध प्रतिष्ठित कवि तक फेसबुक पर अपनी कविता चेपने को अपना सौभाग्य समझने लगे हैं। कोरोनाकाल को आधुनिक हिंदी कविता के फेसबुकवादी युग का यौवन काल कहा जा सकता है। कोरोनाकाल के आरंभ में जब अखबार छपने बंद हुए, पत्रिकाएं निकलनी बंद हुईं तो प्रतिष्ठित कवि तक काव्यात्मक अपच निकालने को बेचैन हो उठा। कोरोनाकाल में हिंदी कविता को बचाने का श्रेय फेसबुकिया कवियों को ही जाता है। हालांकि अब कोरोना का कहर कम हो गया है। अखबार, पत्रिकाएं फिर से गिरते पड़ते निकलने लगे हैं। कुछ पत्र, पत्रिकाएं कोरोनाकाल में वीवीआईपी ट्रीटमेंट मिलने के बाद भी स्वर्ग सिधार गए। जो बचे, उनमें साहित्य के अन्य कॉलमों की तरह कविता का भी कॉलम मर गया। पत्रपत्रिकाओं की इस साहित्यिक रुग्णता ने भी हिंदी कविता में फेसबुकवादी कविता के लिए टॉनिक का काम किया है। इन दिनों हिंदी कविता में हिंदी कविता का फेसबुक काल इतने बूम पर है कि तुलसी, बिहारी, सूर, मीरा सब अपनी अपनी कविताओं का फेसबुक पर रीप्रिंट करने कराने को लालायित हैं।

आर्थिक असमानता की समस्या व समाधान

सत्यपाल वशिष्ठ

"असमान वितरण को दूर करने के लिए सरकार को बेरोज़गारी और अल्प बेरोज़गारी को दूर करना, करों की चोरी को रोकना, धनी वर्ग पर प्रगतिशील कर, संपदा कर, बजट को मध्यम वर्ग के अनुकूल बनाना, महंगाई पर नियंत्रण, कृषि श्रमिकों तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को उनकी उत्पादकता के अनुसार मज़दूरी दिलवाना, श्रमिकों के उपभोग की वस्तुओं पर कम अप्रत्यक्ष कर लगाना है'

भारत में आर्थिक असमानता दिन -प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इस समस्या ने कुछ वर्षों से धनी और निर्धन के बीच की खाई को और चौड़ा कर दिया है। सरकार और सियासी पार्टियों को इस समस्या को गंभीरता से लेने की जरूरत है ताकि संसाधनों और धन का न्यायपूर्ण बंटवारा हो सके। आर्थिक असमानता की समस्या की गंभीरता का पता हमें नेशनल काउंसिल फॉर अप्लाइड इकोनामिक रिसर्च की रिपोर्ट से चलता है कि देश के 20 प्रतिशत धनी लोगों के पास देश की कुल आय का 53.2 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि नीचे के 40 प्रतिशत लोगों के पास कुल आय का 5.3 प्रतिशत भाग है। एकाधिकार जांच आयोग के अनुसार देश की 1536 कंपनियां 75 परिवारों के नियंत्रण में हैं। अखिल भारतीय ऋण और निवेश सर्वेक्षण रिपोर्ट 2018 के अनुसार देश के 10 प्रतिशत धनी लोगों के पास देश की दौलत का 54.98 प्रतिशत था और नीचे के 50 प्रतिशत लोगों के पास 5.65 प्रतिशत था। हाल ही में जारी की गई ऑक्सफैम अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट को देखें तो हमें वर्तमान समय में भारत में आर्थिक विषमता का पता चलता है। भारत की कुल दौलत का 40 प्रतिशत हिस्सा 1 प्रतिशत लोगों के पास है जबकि नीचे की 50 प्रतिशत जनता के पास कुल भारतीय दौलत का 3 प्रतिशत हिस्सा है। धनी वर्ग ने तो कोविड काल में भी पैसा ही अर्जित किया और अपेक्षाकृत कम विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग की रोजी-रोटी चली गई और निर्धनता की ओर धकेल दिए गए।

इससे अमीर और गरीब के बीच की खाई और चौड़ी हो गई। आय का असमान वितरण न केवल वर्तमान निर्धनता को प्रकट करता है, बल्कि धनी और निर्धन के बीच के अंतर को भी प्रकट करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस समस्या की गंभीरता को देखकर वर्तमान वित्त मंत्री से आग्रह किया था कि भारत में बेरोजगारी, महंगाई और असमानता बढ़ी है, इसलिए 2023-24 के बजट में मध्यम वर्ग को रियायतें दी जाएं ताकि असमानता कम हो सके। जब संसाधनों और धन का न्याय पूर्ण बंटवारा न हो रहा हो तो सरकार और सियासी पार्टियों को इसके समाधान के लिए भारत के संविधान में दिए गए निर्देशक सिद्धांतों के अनुसार देश के आर्थिक नियोजन को मोड़ देकर, देश के धनी और गरीब के बीच की खाई को कम करना चाहिए। अनुच्छेद 37, 38, 39 में साफ लिखा है कि लोगों के लिए आर्थिक-सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है और भारत को कल्याणकारी राज्य के रूप में स्थापित करना है। आय, स्थिति, सुविधाओं तथा अवसरों में असमानता को कम करके सामाजिक व्यवस्था को सुरक्षित एवं सरंक्षित कर लोगों के कल्याण को बढ़ावा देने का प्रयास करना है। सभी नागरिकों को आजीविका के पर्याप्त साधन, भौतिक संसाधनों के स्वामित्व और नियंत्रण को सामान्य जन की भलाई के लिए व्यवस्थित करना है। कुछ व्यक्तियों के पास धन को संकेंद्रित होने से बचाना है। इन निर्देशक सिद्धांतों को किसी न्यायालय के जरिए लागू नहीं करवाया जा सकता, पर यह राजनीतिक स्वरूप रखते हैं तथा मात्र नैतिक अधिकार रखते हैं ताकि जनता का भला हो सके।

जब ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो धन के वितरण को अधिक न्याय संगत बनाने के लिए हमें आर्थिक नियोजन को निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप करना है ताकि मुक्त बाजार व्यवस्था को सामाजिक लाभ के साथ मिश्रित कर, सरकार आर्थिक विकास और सामाजिक संतुष्टि के बीच आदर्श संतुलन बनाए। विकास में असमानताएं घटने की बजाय बढ़ ही रही हैं। अगर असमानता बढ़ती है तो गरीबी बढ़ती है, गरीबी का असमानता के साथ-साथ बेरोजग़ारी के साथ भी घनिष्ट संबंध है। अगर रोजगार का स्तर बढ़ाएंगे तो गरीबी तथा असमानता दूर की जा सकती है। भारत को लाभजनक कंपनियों को निजी हाथों में न देने की बजाय सार्वजनिक क्षेत्र में ही रखना चाहिए। भारत का मिश्रित अर्थव्यवस्था की तरफ मुडऩा अब जहां मुश्किल लगता है, पर इस ओर ध्यान देना आवश्यक है ताकि कल्याणकारी कार्यक्रमों से गरीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े लोगों और साथ में महिलाओं का आर्थिक व सामाजिक विकास किया जा सके। असमान वितरण को दूर करने के लिए सरकार को बेरोज़गारी और अल्प बेरोज़गारी को दूर करना, करों की चोरी को रोकना, धनी वर्ग पर प्रगतिशील कर, संपदा कर, बजट को मध्यम वर्ग के अनुकूल बनाना, महंगाई पर नियंत्रण, कृषि श्रमिकों तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को उनकी उत्पादकता के अनुसार मज़दूरी दिलवाना, श्रमिकों के उपभोग की वस्तुओं पर कम अप्रत्यक्ष कर लगाना तथा निर्धन परिवारों को शिक्षा-स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाना है ताकि उनकी वास्तविक आय बढ़े और जीवन स्तर ऊंचा हो। प्रभावी राशन प्रणाली को समाज के निर्धन वर्ग के लोगों के लिए लागू करना, कृषि विकास, पिछड़े क्षेत्रों पर विशेष ध्यान, स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना तथा लाभजनक कंपनियों में विनिवेश को रोकना आदि के द्वारा गरीबी, असमानता तथा बेरोजगारी को दूर किया जा सकता है तथा आर्थिक विकास और सामाजिक संतुष्टी के बीच आदर्श संतुलन बनाया जा सकता है।

भारत सरकार ने गरीबी, बेरोजगारी तथा असमानता कम करने के लिए 2023-24 के बजट में कृषि, बागवानी, युवाओं, गरीबों, अनुसूचित जातियों व जनजातियों, मध्यमवर्ग, पारंपरिक कारीगरों, पूंजीव्यय, संरचना एवं निवेश में, पर्यटन, छोटे उद्योगों को बढ़ावा देकर रोजग़ार के अवसर सृज़ित करना आदि बहुत सी योजनाओं की घोषणा की है। परंतु इन सभी योजनाओं पर रेगुलर निगरानी, ठीक ढंग से कार्यान्वयन न किया गया तो जो उम्मीदें लगाई गई हैं, उन्हें पूरा करना कठिन होगा। इसी तरह हिमाचल के नए बजट में भी मनरेगा दिहाड़ी बढ़ाकर व कई अन्य उपाय करके आर्थिक असमानता दूर करने का प्रयास किया गया है, लेकिन अभी बहुत कुछ बाकी किया जाना शेष है।

चिंतन विचार

क्रेडिट एजेंसियों की प्रासंगिकता

डा. अश्विनी महाजन,
कालेज एसोशिएट प्रोफेसर

अलग-अलग देशों की अपनी रेटिंग एजेंसियां हो सकती हैं। ऐसे में चंद एजेंसियों का एकाधिकार खत्म हो जाएगा। साथ ही इन रेटिंग एजेंसियों के पास खुद निवेशकों से पैसे कमाने की व्यवस्था होना चाहिए'

वर्ष 2007-08 के दौरान अमरीकी अर्थव्यवस्था एक भयंकर त्रासदी से गुजरी और लेहमन ब्रदर्स के साथ-साथ सैकड़ों अमरीकी बैंक दिवालिया हो गए थे। जैसा कि होता रहा है अमरीका के वित्तीय संकट के कारण पूरे यूरोप के बैंकों पर भी भारी संकट आया और इस वित्तीय संकट ने दुनिया भर के देशों पर भी कुछ न कुछ प्रभाव छोड़ा। उस समय भारत के प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने कहा था कि भारत इस संकट से अछूता है क्योंकि भारतीय बैंकों का कोई विशेष एक्सपोजर पश्चिम के इन बैंकों के साथ नहीं है। हालांकि अमरीकी और यूरोपीय देशों पर आए इस संकट की वजह से भारत के निर्यातों पर कुछ न कुछ असर जरूर हुआ, लेकिन भारत की ग्रोथ की यात्रा बदस्तूर जारी रही और भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढऩे वाले मुल्कों में बना रहा। हालांकि वर्ष 2007-08 का यह संकट अमरीकी सरकार द्वारा 3 खरब डालर (3000 अरब डालर) की सहायता उस समय तो टल गया, लेकिन जानकारों का कहना है कि उस संकट के बाद अमरीकी अर्थव्यवस्था कमजोर जरूर हुई। लेकिन दिलचस्प बात यह रही कि दुनिया और महत्वपूर्ण संस्थाओं पर 'पैनी' नजर रखने वाली रेटिंग एजेंसियों की भूमिका इस संकट के पहले और इसके दौरान ही नहीं, उसके बाद भी अत्यंत पंगु और संदेहास्पद बनी रही। मार्च के दूसरे सप्ताह में अमरीकी टैक स्टार्टअप की फंडिंग करने वाला सिलिकॉन वैली बैंक अचानक बंद हो गया और उसका अधिग्रहण अमरीकी सरकार ने कर लिया। जानकारों का मानना है कि सिलिकॉन वैली बैंक का डूबना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए 'लेहमन ब्रदर्स' के डूबने सरीखा है। लेकिन 2023 में फिर से सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने के साथ ही अमरीकी वित्तीय संकट फिर से गहराने लगा है। उधर अमरीका में बढ़ती ब्याज दरों के चलते अमरीकी सरकार समर्थित मोर्टगेज प्रतिभूतियां और यहां तक कि अमरीकी ट्रेजरी बिल जो अत्यंत सुरक्षित माने जाते थे, उनकी कीमत में भी नाटकीय ढंग से गिरावट आई। सिलिकॉन वैली बैंक के बाद 167 साल पुराना स्विटजरलैंड का दूसरा सबसे बड़ा बैंक और वैश्विक इतिहास में सबसे अधिक प्रभावशाली बैंक 'क्रेडिट सूशे' स्विटजरलैंड के सबसे बड़े बैंक 'यूबीएस' के हाथों बिक गया। जब इस बैंक से पिछले हफ्ते जमाकर्ताओं द्वारा 10 अरब डालर निकाल लिए गए तो स्विटजरलैंड सरकार ने आनन-फानन में यूबीएस द्वारा 'क्रेडिट सूशे' को खरीदने को कहा है। लेकिन इतिहास ने फिर एक बार अपने को दोहराया है और दुनिया की बड़ी रेटिंग एजेंसियां एक बार फिर निवेशकों को जोखिम के बारे में आगाह करने में पूरी तरह से असफल रही हैं। यदि हम देखें तो 8 मार्च, जिस दिन सिलिकॉन वैली बैंक डूबा, से पहले, मूडीज ने इस पर ए-3 की रेटिंग बनाए रखी, जो इसके पैमाने पर सातवीं उच्चतम रेटिंग है। और उससे ज्यादा दिलचस्प बात यह रही कि उस दिन भी मूडीज ने उसे मात्र एक पायदान नीचे करते हुए बीएए-1 तक ही गिराया था। गौरतलब है कि ए-3 हो या बीएए-1, दोनों रेटिंग 'जंक' के पास भी नहीं और निवेशकों को रत्ती भर भी आगाह नहीं करती कि इस संस्था में निवेश हेतु कोई जोखिम है। यही बात 'क्रेडिट सूशे' के संबंध में भी लागू होती है। 'क्रेडिट सूशे' की वेबसाइट पर ही लिखा है कि उसकी क्रेडिट रेटिंग 20 मार्च तक बरकरार रही। यह बात अलग है कि 'क्रेडिट सूशे' के डूबने के बाद रेटिंग को थोड़ा गिराया गया है। लेकिन यह बात उजागर हो चुकी है कि रेटिंग एजेंसियां निवेशकों को समय पर चेतावनी देने में बुरी तरह से असफल रही हैं। दुनिया में तीन प्रमुख रेटिंग एजेंसियों- स्टैंडर्ड एंड पुअर्स, मूडीज और फिच- की महत्वपूर्ण उपस्थिति है। स्टैंडर्ड एंड पुअर्स और मूडीज का मुख्यालय अमेरिका में है, जबकि फिच का मुख्यालय न्यूयॉर्क और लंदन दोनों में है।

वे दुनिया भर के देशों और वित्तीय संस्थानों की रेटिंग करती हैं। उनकी रेटिंग के आधार पर इन देशों द्वारा लिए गए ऋणों पर ब्याज दरें निर्धारित की जाती हैं। विभिन्न वित्तीय संस्थानों पर लोगों का भरोसा भी इन्हीं रेटिंग्स पर निर्भर करता है। जबकि ये एजेंसियां दुनिया भर के संस्थानों और देशों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करती हैं, वे स्वयं संदेह के घेरे में हैं। यही एजेंसियां जो अमरीका और यूरोप के मुल्कों पर संकट के बावजूद कुंभकर्णीय निद्रा में रहती हैं, भारत जैसे देशों के बारे में जरूरत से ज्यादा संवेदनशील हो जाती हैं, जिसका फायदा फिर उन्हीं के आका देशों को ही होता है। भारत जैसे देशों पर इतनी तल्खी और अमरीकी और यूरोपीय देशों पर मेहरबानी इन एजेंसियों पर सवालिया निशान लगाती है। तीन साल पहले यस बैंक पर आए संकट के बाद एक मूडीज ने भारतीय बैंकों का आउटलुक स्टेबल से घटाकर निगेटिव कर दिया था। इसमें कहा गया था कि भारतीय बैंकों की संपत्ति की गुणवत्ता कोरोना वायरस के कारण हुए नुकसान के कारण बिगड़ी है और इसका असर कॉर्पोरेट, मध्यम और लघु उद्योगों और खुदरा सहित सभी क्षेत्रों में होने की उम्मीद है। इससे बैंकों की पूंजी और तरलता दोनों पर असर पड़ेगा।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम, जानें आपके शहर की कीमतें

तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है।

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। आज दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

जानें प्रमुख महानगरों में कितनी है कीमत

आज दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में एक लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं।

शहर	डीजल	पेट्रोल
दिल्ली	89.62	96.72
मुंबई	94.27	106.31
कोलकाता		92.76
106.03		
चेन्नई	94.24	102.63

(पेट्रोल-डीजल की कीमत रुपये प्रति लीटर में है।)

जानिए आपके शहर में कितना है दाम

पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाकर आपको RSP और अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा।

बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है।

इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं। वे खुद को खुदरा कीमतों पर उपभोक्ताओं के अंत में करों और अपने स्वयं के मार्जिन जोड़ने के बाद पेट्रोल बेचते हैं। पेट्रोल रेट और डीजल रेट में यह कॉस्ट भी जुड़ती है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती पर तेज रहेगी भारत की वृद्धि, आरबीआई ने कहा- दूसरी तिमाही से बढ़ी रफ्तार

देश की जीडीपी के बारे में अनुमान है कि यह 2023-24 में 6 से 6.5 फीसदी के बीच रह सकती है।

परिवहन विशेष न्यूज

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भले ही धीमापन रहे, लेकिन भारत वित्त वर्ष 2022-23 में विकास की तेज गति को बनाए रखेगा। आरबीआई के एक लेख में कहा गया है कि हम भारत के बारे में आशावादी बने हुए हैं, भले ही कितनी भी कठिनाइयां हों।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के फरवरी में जारी आंकड़ों से संकेत मिलता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के कई हिस्सों की तुलना में एक चुनौतीपूर्ण वर्ष की ओर बढ़ने के लिए आंतरिक रूप से बेहतर स्थिति में है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा के नेतृत्व वाली टीम ने लिखा है कि यहां तक कि जब 2023 में वैश्विक विकास धीमा होने या मंदी में प्रवेश करने के लिए तैयार है, भारत महामारी के बाद भी अधिक मजबूत होकर उभरा है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के बाद से गति में लगातार वृद्धि हुई है।

170.9 लाख करोड़ की हो सकती है जीडीपी

देश की जीडीपी के बारे में अनुमान है कि यह 2023-24 में 6 से 6.5 फीसदी के बीच रह सकती है। देश की वास्तविक जीडीपी 2022-23 में 159.7 लाख करोड़ से बढ़कर 2023-24 में 170.9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है, जबकि वर्तमान अनुमान 169.7 लाख करोड़ का है। केंद्रीय बैंक ने कहा, लेख में जो भी बातें कही गई हैं, वे लेखकों के अपने विचार हैं। यह आरबीआई का विचार नहीं है।

एक अप्रैल से 5 फीसदी महंगे होंगे टाटा मोटर्स के वाहन

टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहन एक अप्रैल, 2023 से 5 फीसदी महंगे हो जाएंगे। इसके साथ ही यह कंपनी की ओर से चालू वित्त वर्ष में चौथी बढ़ोतरी है। टाटा मोटर्स ने मंगलवार को कहा, दाम बढ़ाने का निर्णय कंपनी की ओर से बीएस-6 के दूसरे चरण के और अधिक कड़े उत्सर्जन मानदंडों का पालन करने के प्रयासों का नतीजा है। टाटा मोटर्स इन मानकों को पूरा करने के लिए पूरे वाहन पोर्टफोलियो में बदलाव कर रही है, इसलिए ग्राहक स्वच्छ, हरित व तकनीकी रूप से बेहतर पेशकशों की उम्मीद कर सकते हैं।

इनसाइड

सोने में 380 रुपये का उछाल, चांदी की कीमतों में 90 रुपये की गिरावट दर्ज की गई

नई दिल्ली। विदेशों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 380 रुपये की तेजी के साथ 57,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। इस दौरान चांदी की कीमतें 90 रुपये गिरकर 66,535 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। विदेशों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 380 रुपये की तेजी के साथ 57,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 57,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। हालांकि, इस दौरान चांदी की कीमतें 90 रुपये गिरकर 66,535 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने का हाजिर भाव 380 रुपये की तेजी के साथ 57,450 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। विदेशी बाजारों में सोना तेजी के साथ 1,922 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 21.61 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। गांधी के अनुसार स्विस बैंक क्रेडिट सुइस की परेशानी बढ़ने से दुनियाभर में बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी चिंता बढ़ने और निवेशकों के सुरक्षित निवेश की ओर रुख करने से गुरुवार को एशियाई कारोबारी घंटों में कॉमेक्स सोने की कीमतों में मामूली तेजी आई।

बाजार में कमजोरी बरकरार, सेंसेक्स 100 अंक टूटा, निफ्टी 16950 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को लाल निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। फिलहाल सेंसेक्स 119.31 (-0.21%) अंकों की गिरावट के साथ 57,436.59 अंकों के लेवल पर कारोबार करता दिख रहा है वहीं निफ्टी 53.10 (-0.31%) अंक टूटकर 16,919.05 अंकों के लेवल पर ट्रेड कर रहा है। शुरुआती कारोबार में हिंडाल्को के शेयरों में 3 प्रतिशत जबकि टाटा स्टील के शेयरों में 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ 82.76 रुपये के लेवल पर कारोबार करता दिख रहा है।

31 मार्च तक खुले रहेंगे सभी बैंक, समय से पहले ये काम जरूर निपटा लें नहीं तो पड़ जाएंगे मुश्किल में

आरबीआई ने कहा, '31 मार्च को वित्तीय वर्ष 2022-23 खत्म हो रहा है। सरकार से जुड़े सभी लेन-देन इस तारीख तक पूरे हो जाने चाहिए। नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर (NEFT) और रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) सिस्टम के जरिए होने वाले लेन-देन 31 मार्च की रात 12 बजे तक जारी रहेंगे।'

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने 31 मार्च तक बैंकों को अपनी सभी ब्रांच खोले रखने का आदेश दिया है। रविवार को भी बैंक से जुड़े काम निपटाए जा सकते हैं। हालांकि, 31 मार्च के बाद यानी अप्रैल की पहली और दूसरी तारीख को बैंक जरूर बंद रहेंगे। मतलब अप्रैल में लगातार दो दिन बैक में कोई कामकाज नहीं होगा। इसके अलावा भी अप्रैल में बैंकों की पांच छुट्टियां होंगी।

आरबीआई ने कहा, '31 मार्च को वित्तीय वर्ष 2022-23 खत्म हो रहा है। सरकार से जुड़े सभी लेन-देन इस तारीख तक पूरे हो जाने चाहिए। नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर (NEFT) और रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) सिस्टम के जरिए होने वाले लेन-देन 31 मार्च की रात 12 बजे तक जारी रहेंगे।'

अप्रैल में कब-कब होगी बैंक की छुट्टी?

आरबीआई के जारी आदेश के अनुसार, 'सरकारी चेक के कलेक्शन के लिए स्पेशल क्लियरिंग कंडक्ट किए जाएंगे, जिसके लिए डिपार्टमेंट ऑफ पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स (DPSS) जरूरी निर्देश जारी करेगा। DPSS भी आरबीआई के तहत आता है। सेंट्रल एंड स्टेट गवर्नमेंट के लेनदेन की रिपोर्टिंग के लिए रिपोर्टिंग विंडो 31 मार्च से एक अप्रैल को दोपहर तक खोले रखे जाएंगे'

अप्रैल में कब-कब होगी बैंक की छुट्टी?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक और दो अप्रैल को आरबीआई की तरफ से बैंकों को छुट्टी दी गई है। इसके बाद चार अप्रैल को महावीर जयंती, सात अप्रैल को गुड फ्राइडे, आठ अप्रैल को सेकेंड सेटेरडे, 14 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर जयंती, 22 अप्रैल को ईद की छुट्टी रहेगी।

31 मार्च से पहले ये काम जरूर निपटा लें

अगर आपने अभी तक अपने पैन को आधार से लिंक नहीं कराया हो तो 31 मार्च 2023 तक करा लें। ऐसा नहीं करने पर आपका पैन इनएक्टिव हो जाएगा। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (CBDT) 30 जून 2022 के बाद से पैन को आधार से लिंक कराने के लिए 1000 रुपए की लेट फीस वसूल रहा है।

अगर आपका PPF और सुकन्या समृद्धि योजना अकाउंट है, लेकिन इस वित्त वर्ष में इनमें पैसे नहीं डाल पाए, तो अकाउंट एक्टिव रखने के लिए इनमें 31 मार्च तक कुछ रुपए जरूर डाल दें। ऐसा नहीं होने पर ये बंद हो सकते हैं।

अधिक पेंशन का विकल्प चुनने की समयसीमा बढ़ी, अब इस तारीख तक कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली। ईपीएफओ ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'जो कर्मचारी एक सितंबर 2014 से पहले सेवा में थे और एक सितंबर 2014 को या उसके बाद सेवा में बने रहे, लेकिन कर्मचारी पेंशन योजना के तहत संयुक्त विकल्प का इस्तेमाल नहीं कर सके हैं वे अब 3 मई 2023 को या उससे पहले ऐसा कर सकते हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अंशधारकों के लिए उच्च पेंशन का विकल्प चुनने के लिए 3 मई की समयसीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने 4 नवंबर को उन कर्मचारियों को एक और बदलाव की अनुमति दी थी जो 1 सितंबर 2024 तक मौजूदा ईपीएस सदस्य रहेंगे। वे पेंशन के लिए अपने वास्तविक वेतन का 8.33 प्रतिशत तक योगदान कर सकते हैं यदि पेंशन योग्य वेतन का 8.33 प्रतिशत प्रति माह 15,000 रुपये प्रति माह है।

शीर्ष अदालत ने उच्च पेंशन का विकल्प चुनने के लिए चार महीने का समय दिया था। यह समय सीमा 3 मार्च, 2023 के को समाप्त होनी थी। लेकिन ईपीएफओ ने पिछले सप्ताह ही कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत उच्च पेंशन का विकल्प चुनने की प्रक्रिया शुरू की। इसके बाद आशंका जताई जा रही थी कि ईपीएफओ ने इस मामले में फैसला लेने में देरी कर दी है ऐसे में इसकी समयसीमा बढ़ाई जा सकती है।

ईपीएफओ ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'जो कर्मचारी एक सितंबर 2014 से पहले सेवा में थे और एक सितंबर 2014 को या उसके बाद सेवा में बने रहे, लेकिन कर्मचारी पेंशन योजना के

तहत संयुक्त विकल्प का इस्तेमाल नहीं कर सके हैं वे अब 3 मई 2023 को या उससे पहले ऐसा कर सकते हैं। वर्तमान में, कर्मचारी और नियोक्ता दोनों कर्मचारी के मूल वेतन, महंगाई भत्ते और रिटेनिंग भत्ते, यदि कोई हो, का 12 प्रतिशत कर्मचारी भविष्य निधि या ईपीएफ में योगदान करते हैं। कर्मचारी का पूरा योगदान ईपीएफ में जाता है, जबकि नियोक्ता द्वारा 12 प्रतिशत योगदान ईपीएफ में 3.67 प्रतिशत और ईपीएस में 8.33 प्रतिशत के रूप में विभाजित किया जाता है।

भारत सरकार एक कर्मचारी की पेंशन में 1.16 प्रतिशत का योगदान करती है, जबकि कर्मचारी पेंशन योजना में योगदान नहीं करते हैं। ईपीएफओ ने कहा, 'ज्वाइंट ऑप्शन फाइल करने के लिए ऑनलाइन सुविधा जल्द ही आ रही है। इससे पहले, ऐसी आशंकाएं थीं कि 3 मार्च, 2023 उच्च पेंशन का विकल्प चुनने की अंतिम तिथि है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने अदाणी को पहुंचाया नुकसान

रोकना पड़ा 34,900 करोड़ रुपये का पेट्रोकेम प्रोजेक्ट

मीडिया रिपोर्ट्स ने सूत्रों के हवाले से ये खबर दी है। अदाणी एंटरप्राइजेज ने साल 2021 में गुजरात के कच्छ में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन भूमि पर कोल टू पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को इनकॉरपोरेट किया था।

अदाणी एंटरप्राइजेज ने साल 2021 में गुजरात के कच्छ में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन भूमि पर कोल टू पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को इनकॉरपोरेट किया था।

नई दिल्ली। अमेरिकन शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से अभी भी अदाणी को नुकसान हो रहा है। अदाणी के शेयरों और संपत्ति में भारी गिरावट के बाद अब अदाणी को एक और बड़ा नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अदाणी ने 34,900 करोड़ रुपये के पेट्रोकेमिकल प्रोजेक्ट पर काम को रोक दिया है। इस प्रोजेक्ट पर गुजरात के मुंद्रा में काम हो रहा था।

मीडिया रिपोर्ट्स ने सूत्रों के हवाले से ये खबर दी है। अदाणी एंटरप्राइजेज ने साल 2021 में गुजरात के कच्छ में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन भूमि पर कोल टू पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को इनकॉरपोरेट किया था।

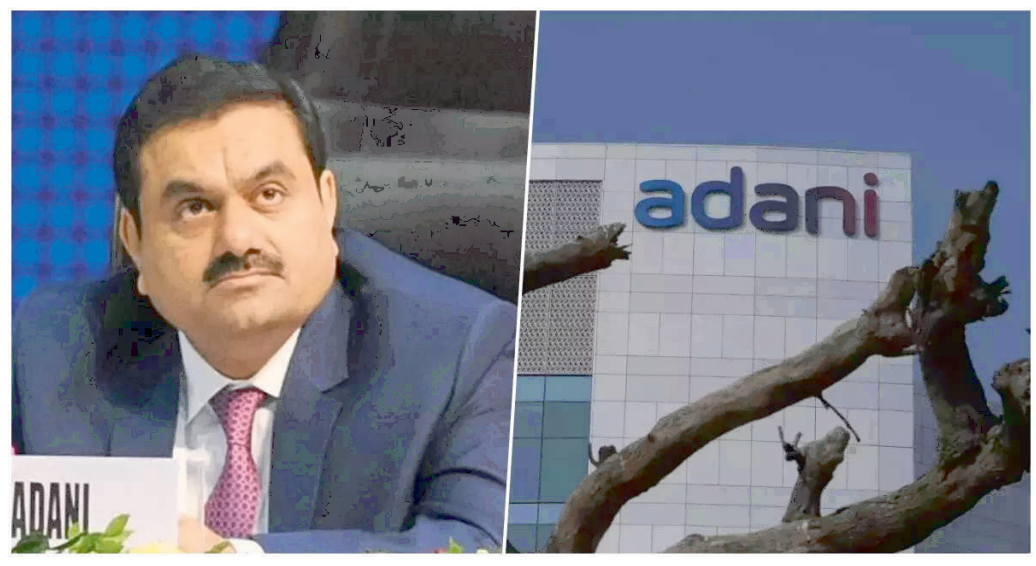

क्यों रोकना पड़ा काम?

बताया जाता है कि 24 जनवरी को जैसे ही हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट आई तो माहौल एकदम से बदल गया। रिपोर्ट में अकाउंटिंग फ्रॉड, स्टॉक मैनिपुलेशन और दूसरे कॉरपोरेट गवर्नेंस खामियों के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद अदाणी ग्रुप की कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू 140 अरब डॉलर गिर गई थीं। सेब से लेकर एयरपोर्ट तक के कारोबार में शामिल यह ग्रुप अब निवेशकों का भरोसा फिर से जीतने के प्रयासों में लगा है। ऐसे में ग्रुप की विस्तार योजनाओं को झटका लगा है। बताया जा रहा है कि अदाणी फिलहाल कपना सारा कर्ज चुकाने और शेयर धारकों पर विश्वास बढ़ाने पर काम कर रहे हैं।

क्या है अदाणी ग्रुप की रणनीति?

रिपोर्ट्स के अनुसार, अदाणी ग्रुप की कमबैक स्ट्रेटेजी निवेशकों की कर्ज से जुड़ी चिंताओं को दूर करने पर आधारित है। ग्रुप कुछ लोन्स का पेमेंट करके और परिचालन को मजबूत करके आरोपों से लड़ने का काम कर रहा है। ग्रुप ने हिंडनबर्ग द्वारा लगाए सभी आरोपों को सिरे से नकारा है। अदाणी ग्रुप कैश फ्लो और उपलब्ध फाइनेंस के आधार पर अपने प्रोजेक्ट्स का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है।

इसके अलावा अदाणी समूह ने सात हजार करोड़ रुपये के कोयला संयंत्र की खरीद को भी रद्द कर दिया है और खर्चों को बचाने के लिए बिजली व्यापारी पीटीसी में हिस्सेदारी के लिए बोली लगाने की योजना को स्थगित कर दिया है। इसने समूह की कंपनियों में प्रवर्तक की हिस्सेदारी गिरवी रखकर जुटाए गए कुछ कर्ज का भुगतान कर दिया है और कुछ वित्त का पूर्व भुगतान कर दिया है। मामले से जुड़े दो सूत्रों ने बताया कि जिन प्रोजेक्ट्स पर ग्रुप ने कुछ समय के लिए आगे नहीं बढ़ने का फैसला लिया है, उनमें एक मिलियन टन सालाना ग्रीन पीवीसी प्रोजेक्ट भी शामिल है। ग्रुप ने वेंडर्स और सप्लायर्स को तत्काल आधार पर सभी एक्टिविटीज को रोकने के लिए मेल भेज दिया है। मेल में ग्रुप ने मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड के ग्रीन पीवीसी प्रोजेक्ट के लिए अगले नोटिस तक सभी एक्टिविटीज को रोकने को कहा है।पीवीसी प्लास्टिक का दुनिया का तीसरा सबसे व्यापक रूप से उत्पादित सिंथेटिक बहुलक है। इसका व्यापक उपयोग होता है। फर्श से लेकर, सीवेज पाइप बनाने और अन्य पाइप अनुप्रयोगों में, बिजली के तारों पर इन्सुलेशन, पैकेजिंग और एप्रन आदि के निर्माण में। यही कारण है कि अदाणी ग्रुप ने इसको लेकर परियोजना की योजना बनाई थी। भारत में लगभग 3.5 एमटीपीए की पीवीसी मांग साल-दर-साल सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। 1.4 मिलियन टन पीवीसी के लगभग स्थिर घरेलू उत्पादन के साथ, भारत मांग के साथ तालमेल रखने के लिए आयात पर निर्भर है।

अमृतसर में अमृतपाल के सरेंडर की अटकलों के बीच सामने आया पुलिस का बयान, कहा- जानकारी नहीं

पंजाब में अचानक पुलिस की गतिविधियां बढ़ गई हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, वारिस पंजाब दे का प्रमुख और खलिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह आज आत्मसमर्पण कर सकता है। सूचना है कि उसने आत्मसर्पण से पहले कुछ शर्तें पुलिस के सामने रखी हैं।

परिवहन विशेष संवाददाता

चंडीगढ़। अमृतपाल सिंह के चाचा हरजीत सिंह का नया ऑडियो वायरल हुआ है। जो उसने सरेंडर से पहले किसी को भेजा था। इस ऑडियो में कहा है कि वह खुद सरेंडर करने जा रहा है। अगर पुलिस हमें पकड़ती है तो इसमें बेइज्जती बहुत है, लेकिन अगर हम सरेंडर करते हैं तो इसमें हमारी शान है। उसने उस व्यक्ति को कहा था कि अमृतपाल को कहना कि अपने ही कुछ लोग एजेंसियों के साथ मिल गए है, जो सारी जानकारी उन तक पहुंचा रहे रहे है।

अमृतपाल ने खुद को भिंडरावाले की तरह पेश किया

जैसे ही दीप सिद्धू के संगठन वारिस पंजाब दे का प्रमुख बनने के लिए भारत आया था। फिर उसने खुद को भिंडरावाले की तरह पेश किया और उसके समर्थक उसे भिंडरावाले 2.0 कहने लगे थे। वहीं, खुफिया एजेंसियों के अनुसार जब तक वह विदेश में था। वह अमृतधारी नहीं था।

अमृतपाल का वीडियो यूपी में रिकॉर्ड किए जाने की आशंका

अमृतपाल का वीडियो यूपी में रिकॉर्ड किए जाने की आशंका है। मीडियो रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह वीडियो एक या दो दिन पुराना है। अमृतपाल के वीडियो को लाइव दिखाने वाल यूट्यूब चैनल को बैन कर दिया गया है। अमृतपाल का वीडियो ब्रिटेन के हैंडल से शेयर किया गया था। सरकार की शिकायत के बाद चैनल को बैन किया गया है।

क्या है सरबत खालसा

सरबत खालसा में देश-विदेश की सभी सिख संस्थाएं हिस्सा लेती हैं। सभी पदाधिकारियों को निमंत्रण दिया जाता है। इस बैठक में धर्म से जुड़े मुद्दे पर चर्चा की जाती और उन पर फैसला लिया जाता है। सरबत खालसा का उद्देश्य पूरे सिख समाज को एक साथ एक जगह पर लाना होता है। अमृतपाल ने बैसाखी पर सभी धार्मिक संस्थाओं से यही कहा है।

अमृतपाल का नया वीडियो

अमृतपाल का वीडियो संदेश ताजा है। वीडियो में उसने एक शॉल लपेट रखी है। यह वही शॉल है जो पपलप्रीत सिंह के हाथ में दिखी थी। बता दें कि 18 मार्च को फरार होने के बाद अमृतपाल का ये पहला वीडियो सामने आया है।

अमृतपाल सिंह के आत्मसमर्पण पर बोले पुलिस आयुक्त नौनिहाल सिंह

पुलिस आयुक्त अमृतसर नौनिहाल सिंह ने खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के स्वर्ण मंदिर में आत्मसमर्पण करने की संभावना और शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर मीडिया रिपोर्टों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के कारण लाखों की संख्या में श्रद्धालु स्वर्ण मंदिर आते हैं, जिसके देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन ऐसा करता रहा है। वहीं, उन्होंने कहा कि अमृतपाल सिंह के अत्मसमर्पण को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है। मीडिया से ही इस बात की जानकारी मिल रही है कि वह सरेंडर करने के लिए आ सकता है।

अमृतपाल ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार से बैसाखी पर सरबत खालसा बुलाने की अपील भी की। अमृतपाल ने कहा कि सरबत खालसे में देश-विदेश की सिख संगत बढ़ चढ़कर हिस्सा ले और वहीं पर कौम के मुद्दों पर चर्चा होगी।

अमृतपाल सिंह ने सरबत खालसा बुलाने की अपील की

अमृतपाल ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार से बैसाखी पर सरबत खालसा बुलाने की अपील भी की। अमृतपाल ने कहा कि सरबत खालसे में देश-विदेश की सिख संगत बढ़ चढ़कर हिस्सा ले और वहीं पर कौम के मुद्दों पर चर्चा होगी।

अमृतपाल सिंह का पहला वीडियो संदेश आया सामने

अमृतपाल सिंह का एक वीडियो संदेश सामने आया है। उसने फेसबुक पर लाइव किया है। जिसमें अमृतपाल ने कहा कि मैं 18 मार्च के बाद पहली बार रूबरू हो रहा हूं। सरकार अगर गिरफ्तार करना चाहती है तो घर से गिरफ्तार कर सकते थी। लेकिन सच्चे पातशाह ने मुश्किल से निकाला है। अमृतपाल ने कहा कि वह बिल्कुल ठीक है। सरकार ने मजबूर लोगों को जेल में डाला है।

युवाओं को खालिस्तान बनाने के लिए बरगलाने लगा था अमृतपाल

वारिस पंजाब दे संगठन का प्रमुख बनने के बाद अमृतपाल ने केंद्र सरकार, सेना, सरकार के सिस्टम को चुनौती देना शुरू किया। युवाओं को खालिस्तान बनाने के लिए बरगलाने लगा। उसने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ललकारते कहा कि इंदिरा गांधी ने भी सिखों को कुचलने की कोशिश की थी, सब जानते हैं कि उनका क्या अंजाम हुआ। अब अमित शाह भी अपना चाव पूरा कर देख लें।

पंजाब पुलिस ने जनता से की अपील

पंजाब पुलिस ने जनता से खालिस्तान समर्थक भगोड़े उपदेशक और 'वारिस पंजाब दे' संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह के बारे में जानकारी साझा करने की अपील की है।

अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार कुछ देर में कर सकते हैं मीडिया से बात

सूत्रों से जानकारी मिली है कि बठिंडा के तलवंडी साबो में अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार कुछ देर बाद मीडिया से बात करेंगे। पुलिस अमृतपाल को गिरफ्तार करना चाहती है, अमृतपाल सरेंडर पर अड़ा है। इसी संबंध में जत्थेदार बयान दे सकते हैं।

भिंडरांवाले का पैतृक गांव में अमृतपाल बना वारिस पंजाब दे का प्रमुख

जरनैल सिंह भिंडरांवाले का पैतृक गांव रोड मोगा जिले में है। अमृतपाल खुद को भिंडरांवाले का समर्थक बताते हुए 29 सितंबर को वारिस पंजाब दे संगठन का प्रमुख बन गया। इसी गांव में उसकी दस्तारबंदी की गई।

सड़क हादसे में हुई थी दीप सिद्धू की मौत

किसान आंदोलन और उसके बाद 26 जनवरी 2021 को लाल किला हिंसा मामले में दीप सिद्धू का नाम आया। 15 फरवरी 2022 को दिल्ली से पंजाब लौटते वक्त सोनीपत के पास एक सड़क हादसे में दीप सिद्धू की मौत हो गई थी। इस बीच अमृतपाल दुबई से लौटा और 29 सितंबर, 2022 को मोगा के गांच रोडे पहुंचा।

कैसे 'वारिस पंजाब दे' का प्रमुख बना अमृतपाल सिंह

अमृतपाल सिंह अमृतसर के जल्लूपुर खेड़ा गांव का रहने वाला है। 12वीं पास अमृतपाल दुबई चला गया। वहां वह ट्राला चलाया करता था। बाद में ट्रांसपोर्ट के व्यवसाय से जुड़ा था। इसी दौरान वह पंजाबी एक्टर दीप सिद्धू के ''''वारिस पंजाब दे'''' संगठन के संपर्क में आया। दीप सिद्धू ने 30 सितंबर, 2021 को इस संगठन की नींव रखी थी।

अमृतपाल पर दर्ज हैं चार मामले

अमृतपाल के खिलाफ चार केस दर्ज हैं। इनमें से तीन मामले अमृतसर जिले के अजनाला थाने में हैं। अपने एक करीबी लवप्रीत सिंह की गिरफ्तारी से नाराज होकर अमृतपाल ने 23 फरवरी को समर्थकों के साथ अजनाला थाने पर हमला कर दिया था। इस केस में उस पर कार्रवाई नहीं होने के चलते पंजाब पुलिस की काफी आलोचना हो रही थी। अमृतपाल सिंह पर आरोप था कि वह श्री गुरु ग्रंथ साहब की आड़ लेकर थाने पहुंचा था और भीड़ को हमले के लिए उकसाया। इस हमले में एसपी समेत छह पुलिसकर्मी जख्मी हो गए थे। इसके अलावा उस पर भड़काऊ भाषण देने का केस भी दर्ज है।

सामने आया खालिस्तान समर्थक अमृतपाल, फेसबुक पर जारी किया वीडियो संदेश, बोला...

अमृतपाल ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार से बैसाखी पर सरबत खालसा बुलाने को कहा। अमृतपाल ने कहा कि सरबत खालसे में देश-विदेश की सिख संगत बढ़ चढ़कर हिस्सा ले और वहीं पर कौम के मुद्दों पर चर्चा होगी।

चंडीगढ़। पुलिस एक्शन के 11 दिन बाद अमृतपाल सिंह का पहला वीडियो संदेश सामने आया है। उसने फेसबुक पर एक वीडियो संदेश जारी किया है। इसमें अमृतपाल ने कहा कि मैं 18 मार्च के बाद पहली बार रूबरू हो रहा हूं। सरकार अगर गिरफ्तार करना चाहती है तो घर से गिरफ्तार कर सकती थी लेकिन सच्चे पातशाह ने मुश्किल से निकाला है। मेरी गिरफ्तारी ऊपर वाले के हाथ में है।

अमृतपाल ने कहा कि वह बिल्कुल ठीक है। सरकार ने मजबूर लोगों को जेल में डाला है। प्रशासन ने हमारे साथियों को असम भेजा है। लोगों पर एनएसए लगाया है। पुलिस ने जबरदस्ती की है। यह जुल्म है। इसके खिलाफ आवाज उठाना हमारा कौमी हक है। अमृतपाल ने कहा कि बहुत लंबे समय से हमारी कौम छोटे -मोटे मसलों पर मोर्चा लगा उलझ रही है।

अमृतपाल ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार से बैसाखी पर सरबत खालसा बुलाने को कहा। अमृतपाल ने कहा कि सरबत खालसे में देश-विदेश की सिख संगत बढ़ चढ़कर हिस्सा ले और वहीं पर कौम के मुद्दों पर चर्चा होगी। अमृतपाल ने वीडियो में भड़काने वाली बातें भी कीं।

नया है अमृतपाल का वीडियो

अमृतपाल का वीडियो संदेश ताजा है। वीडियो में उसने एक शॉल लपेट रखी है। यह वही शॉल है जो पपलप्रीत सिंह के हाथ में दिखी थी। खास बात यह है कि अमृतपाल के संदेश में श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के 24 घंटे के अल्टीमेटम का भी जिक्र है। दरअसल, जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने सोमवार को पंजाब सरकार को 24 घंटे में सभी सिख युवाओं को रिहा करने का अल्टीमेटम दिया था। इस पर पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने जत्थेदार को राजनीति से दूर रहने की सलाह भी दी थी।

क्या है सरबत खालसा

सरबत खालसा में देश-विदेश की सभी सिख संस्थाएं हिस्सा लेती हैं। सभी पदाधिकारियों को निमंत्रण दिया जाता है। इस बैठक में धर्म से जुड़े मुद्दे पर चर्चा की जाती और उन पर फैसला लिया जाता है। सरबत खालसा का उद्देश्य पूरे सिख समाज को एक साथ एक जगह पर लाना होता है। अमृतपाल ने बैसाखी पर सभी धार्मिक संस्थाओं से यही कहा है।

अमृतपाल के सरेंडर की अटकलों के बीच पंजाब पुलिस में बड़ा फेरबदल, 9 अधिकारियों के तबादले

अमृतसर में आज सुबह से ही पुलिस की गतिविधियां तेज हो गई हैं और माना जा रहा है कि अमृतपाल आज वहीं सरेंडर कर सकता है। कई मीडिया रिपोर्ट में तो यहां तक बताया जा रहा है कि अमृतपाल ने सरेंडर करने के लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं।

चंडीगढ़। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह आज अमृतसर में सरेंडर कर सकता है। ऐसी खबरों के बीच पंजाब पुलिस में बड़े फेरबदल की खबरें आ रही हैं। माना जा रहा है कि अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी न हो सकने के मामले में पुलिस की जो किरकिरी हुई उसकी के चलते पंजाब में 9 पुलिस अधिकारियों का तबादला हुआ है, जिसमें एक आईपीएस अफसर भी शामिल है। इसमें से अधिकतर अधिकारियों का ट्रांसफर जालंधर से हुआ है।

पढ़ें किन-किन अधिकारियों के हुए तबादले-

वत्सला गुप्ता आईपीएस को जालंधर से डीसीपी हेडक्वार्टर अमृतसर भेजा गया।

स्वर्णदीप सिंह पीपीएस का एसएसपी जालंधर देहात से डीसीपी इंवेस्टिगेशन अमृतसर के पद पर तबादला किया गया है।

मुखविंदर सिंह पीपीएस को डीसीपी इंवेस्टिगेशन, अमृतसर से एसएसपी जालंधर देहात के पद पर तैनाती दी है।

मंजीत कौर, पीपीएस को एसपी हेडक्वार्टर जालंधर देहात से एसपी पीबीआई कपूरथला तबादला दिया गया है।

जगजीत सिंह सरोया पीपीएस को एडीसीपी हेडक्वार्टर जालंधर से एसपी ऑपरेशन्स गुरदासपुर भेजा गया है।

सरबजीत सिंह पीपीएस को एसपी इंवेस्टिगेशन जालंधर देहात से एसपी इंवेस्टिगेशन होशियारपुर में तबादला किया गया है।

मनप्रीत सिंह पीपीएस को होशियारपुर के एसपी इंवेस्टिगेशन से एसपी इंवेस्टिगेशन जालंधर देहात पर तैनाती मिली है।

रावचरन सिंह ब्रार पीपीएस ज्वाइंट सीपी लॉ एंड ऑर्डर लुधियाना से ज्वाइंट सीपी हेडक्वार्टर जालंधर तबादला दिया गया है।

जसकिरनजीत सिंह तेजा पीपीएस को डीसीपी इंवेस्टिगेशन पीबीआई जालंधर से डीसीपी देहात लुधियाना के पद पर तबादला मिला है।

प्रचार में सीएम योगी की बढ़ी मांग? इसलिए सबसे ज्यादा डिमांड में हैं बुलडोजर बाबा

परिवहन विशेष संवाददाता

कर्नाटक में योगी आदित्यनाथ की मांग को लेकर सियासी जानकारों का मानना है कि भाजपा की रलाइन लेंथर के लिहाज से योगी आदित्यनाथ का कर्नाटक में ताबड़तोड़ दौरा हर लिहाज से सियासी फायदे का सौदा ही माना जाता है...

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जादू कर्नाटक के लोगों पर सिर चढ़कर बोलता है। 2018 के विधानसभा चुनावों में योगी आदित्यनाथ की ताबड़तोड़ रैलियों से कर्नाटक में जो चुनावी हवा बनी थी, वही हवा बनाने के लिए इस बार भी माहौल तैयार हो गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने चुनावों की तारीख की घोषणा होने के बाद प्रदेश में चुनाव प्रचार के लिए योगी आदित्यनाथ की मांग कर दी। कर्नाटक में योगी आदित्यनाथ की मांग को लेकर सियासी जानकारों का मानना है कि भाजपा की रलाइन लेंथर के लिहाज से योगी आदित्यनाथ का कर्नाटक में ताबड़तोड़ दौरा हर लिहाज से सियासी फायदे का सौदा ही माना जाता है। यही नहीं कर्नाटक में इस वक्त जैसा सियासी माहौल बना हुआ है, उस लिहाज से भी योगी आदित्यनाथ के चुनावी दौरे भारतीय जनता पार्टी के लिए मुफीद माने जा रहे हैं।

2018 में कर चुके हैं प्रचार

कर्नाटक में चुनाव की तारीख का एलान होने के साथ ही सियासी सरगर्मियां भी तेज हो गई हैं। प्रत्याशियों के चयन और उनकी घोषणा के साथ-साथ भाजपा अपने स्टार प्रचारकों की सूची भी तैयार करने में जुट गई है। सूत्रों की मानें तो इस बार भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कर्नाटक में बड़े स्टार प्रचारक के तौर पर आगे रखा जाएगा। कर्नाटक भाजपा की ओर से पहले से ही इस बार योगी आदित्यनाथ की चुनावी रैलियों की संख्या बढ़ाए जाने की मांग की जा रही है। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषण सुदर्शन कहते हैं कि दरअसल योगी आदित्यनाथ ने 2018 में जिस तरीके से कर्नाटक में चुनावी प्रचार में भाजपा को जिताने के लिए माहौल बनाया था वह सफल हुआ था। यही वजह है कि कर्नाटक भाजपा इस बार फिर से योगी आदित्यनाथ को उसी ताबड़तोड़ रैलियों की संख्या के लिहाज से दोबारा मांग कर रही है। सुदर्शन कहते हैं कि 2018 में योगी आदित्यनाथ ने जब कर्नाटक में चुनावी जनसभाएं की थीं, तो बतौर मुख्यमंत्री उनका कार्यकाल महज एक साल का ही रहा था। अब योगी मॉडल की चर्चा पूरे देश में हो रही है इसलिए कर्नाटक भाजपा भी उसका फायदा उठाना चाह रही है।

कई मठ हैं योगी से प्रभावित

राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार एस. किरन कहते हैं कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कर्नाटक में बड़े स्टार प्रचारक के तौर पर देखे जाने की कई वजहें भी हैं। वह कहते हैं कि एक तो बड़े फायर ब्रांड हिंदुत्ववादी नेता के तौर पर योगी आदित्यनाथ को जाना जाता है। कर्नाटक में जिस तरीके की सियासी बिसात पिछले कुछ समय में बिछी है उस लिहाज से योगी आदित्यनाथ की रैलियां चुनावी जनसभाएं और दौरे भारतीय जनता पार्टी के लिए बड़े रसियासी माइलेजर वाले माने जा रहे हैं। वह कहते हैं कि कर्नाटक में कई ऐसे संगठन और मठ हैं जो योगी आदित्यनाथ से पूरी तरह प्रभावित हैं। इसके अलावा कर्नाटक में नाथ संप्रदाय से परोक्ष और अपरोक्ष रूप से कई मठ जुड़े हुए हैं। यही वजह है कि योगी आदित्यनाथ को कर्नाटक में न सिर्फ एक बड़े महंत का दर्जा मिला हुआ है, बल्कि उनकी प्रसिद्धि भी उसी तरह की है।

कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी से जुड़े एक वरिष्ठ नेता बताते हैं कि योगी आदित्यनाथ ने 2018 में जिस तरह से चुनाव प्रचार किया था और उसके बाद उन सीटों पर जो परिणाम आए थे वह अप्रत्याशित थे। 2018 के विधानसभा चुनावों में योगी आदित्यनाथ ने पूरे कर्नाटक में 25 से ज्यादा रैलियां की थीं और छह से ज्यादा बड़े रोड शो किए थे। अपने धुआंधार चुनावी अभियान में उन्होंने 35 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रचार किया था। इनमें से 33 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली थी। यही वजह है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आगामी विधानसभा चुनावों में प्रचार के लिए अपनी पसंद बताया है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि योगी आदित्यनाथ कर्नाटक में सिर्फ चुनाव प्रचार ही करने नहीं गए हैं। इसके अलावा और भी कई आयोजनों पर और बड़े कार्यक्रमों में योगी आदित्यनाथ ने शिरकत की है।

कर्नाटक को चाहिए योगी मॉडल

राजनैतिक विश्लेषक और पत्रकार एस किरन कहते हैं कि अयोध्या में बनने वाले राम मंदिर की अगुवाई जिस तरीके से योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं उसका सीधा असर कर्नाटक पर भी देखने को मिल रहा है। वह कहते हैं कि अभी तो अयोध्या में राम मंदिर बन कर तैयार भी नहीं हुआ है, लेकिन कर्नाटक से अयोध्या जाने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। उनका कहना है कि अयोध्या में बनने वाले राम मंदिर का कर्नाटक की जनता से न सिर्फ सीधा ताल्लुक है, बल्कि इसका आगामी विधानसभा के चुनावों में असर भी देखने को मिलेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि योगी आदित्यनाथ भी इसे भलीभांति समझते हैं। यही वजह है कि पिछले साल श्रीधर्मस्थल मंजूनाथेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंस क्षेमवन (यूनिट) के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कर्नाटक को संकट का साथी बताया था। अयोध्या और कर्नाटक के बीच रिश्तो की बागडोर को राम और हनुमान से जोड़ा था।

कर्नाटक के सियासी गलियारों में चुनाव की तारीख घोषित होने से पहले से इस बात के कयास लगाए जाते रहे हैं कि यहां होने वाले चुनावों में योगी आदित्यनाथ की जन सभाओं और रैलियों की संख्या पिछले चुनावों की तुलना में बढ़ेगी। इसके पीछे का तर्क देते हुए राजनीतिक विश्लेषक सुदर्शन कहते हैं कि कर्नाटक में भाजपा नेता प्रवीण नेट्टारू की हत्या के बाद योगी मॉडल से कानून व्यवस्था दुरुस्त करने का भी जिक्र किया था। वह कहते हैं जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री योगी मॉडल से कानून व्यवस्था दुरुस्त करने की बात करते हैं, तो यह कयास लगाए जाना स्वाभाविक है कि कर्नाटक चुनाव में योगी आदित्यनाथ की भूमिका किस तरह महत्वपूर्ण होने वाली है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023